

GUPTA CLASSES

करेंट अफेयर्स

जनवरी-2022

हिन्दी

भाग-5



**GUPTA
CLASSES**

ii. उन्होंने नई दिल्ली, दिल्ली में उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय (NRO) और गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (SFIO) में भी कार्य किया।

iii. राव एसोसिएशन ऑफ सर्टिफाइड फ्रॉड एग्जामिनर्स (ACFE) से प्रमाणित धोखाधड़ी परीक्षक है।

शेख हसीना ने बांग्लादेश की प्रधान मंत्री के रूप में 5वीं बार जीत हासिल की

अवामी लीग की अध्यक्ष और बांग्लादेश की मौजूदा प्रधानमंत्री शेख हसीना (76) को 5वीं बार फिर से PM चुना गया है। यह बांग्लादेश के PM के रूप में उनका लगातार चौथा कार्यकाल है।

- इस जीत के साथ, शेख हसीना ने दुनिया की सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली महिला राष्ट्र प्रमुख के रूप में अपना खिताब बरकरार रखा।

बांग्लादेश आम चुनाव 2024:

i. अवामी लीग ने 7 जनवरी 2024 को आयोजित बांग्लादेश आम चुनाव 2024 में 224 सीटों में से 216 सीटें हासिल कर जीत हासिल की।

ii. यह अवामी लीग का लगातार चौथा कार्यकाल है।

iii. 1991 में लोकतंत्र की बहाली के बाद से 12वें संसदीय चुनाव में दूसरा सबसे कम मतदान दर्ज किया गया है।

शेख हसीना के बारे में:

i. वह बांग्लादेश के संस्थापक पिता और पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। 1975 के बांग्लादेशी तख्तापलट के दौरान उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों के साथ उनकी हत्या कर दी गई थी।

ii. 1975 में अपने परिवार के नरसंहार के बाद, वह 6 साल तक भारत में निर्वासन में रहीं।

iii. वह अवामी लीग की अध्यक्ष चुनी गईं और 1981 में बांग्लादेश लौट आईं।

iv. वह 1996 में पहली बार बांग्लादेश की प्रधान मंत्री के रूप में चुनी गईं। वह 2008, 2014 और 2018 में बांग्लादेश की प्रधान मंत्री के रूप में फिर से चुनी गईं।

पुरस्कार और सम्मान:

i. 1998 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) होउफौएट-बोइग्री शांति पुरस्कार

ii. 2009 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार।

iii. 2015 में संयुक्त राष्ट्र (UN) का चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड।

बांग्लादेश के बारे में:

राष्ट्रपति- मोहम्मद शहाबुद्दीन

प्रधान मंत्री- शेख हसीना

राजधानी- ढाका

मुद्रा- बांग्लादेशी टका



पूर्व IPL अधिकारी रघुराम अय्यर को IOA का CEO नियुक्त किया गया

5 जनवरी 2024 को, इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन (IOA) ने रघुराम अय्यर को अपना मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त किया। इससे पहले, उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) टीमों जैसे राजस्थान रॉयल्स, लखनऊ सुपर जाइंट्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंट के CEO के रूप में काम किया है।

- IOA नामांकन समिति ने सर्वसम्मति से रघुराम अय्यर को इस पद के लिए चुना है।

ध्यान देने योग्य बातें:

i. इस नियुक्ति से पहले, IOA में CEO के कार्यों का प्रबंधन IOA के संयुक्त सचिव और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) के अध्यक्ष कल्याण चौबे द्वारा किया जाता था।

ii. रघुराम अय्यर ने फुटबॉल में इंडियन सुपर लीग (ISL) क्लब ATK मोहन बागान और अल्टीमेट टेबल टेनिस (UTT) फ्रेंचाइजी RPSG मावेरिक्स के साथ भी काम किया है।

पृष्ठभूमि:

i. IOA के नए संविधान को नवंबर 2022 में IOA की महासभा द्वारा स्वीकृत और अनुमोदित किया गया था।

ii. नए संविधान के अनुसार, IOA को IOA के पूर्व महासचिव के कार्यों को करने के लिए एक CEO नियुक्त करना था।

iii. संशोधित IOA संविधान के अनुच्छेद 15.3 के अनुसार, CEO को एक नामांकन समिति द्वारा प्रस्तावित किया जाना चाहिए जिसमें IOA अध्यक्ष, एथलीट आयोग के अध्यक्ष और भारत से एक IOC सदस्य शामिल हों।

iv. IOA के CEO वोटिंग अधिकार के बिना कार्यकारी परिषद के पदेन सदस्य होंगे। CEO कोई निर्वाचित सदस्य नहीं बल्कि IOA का एक वेतनभोगी अधिकारी है।

पात्रता: 25 करोड़ रुपये या उससे अधिक के वार्षिक कारोबार वाली कंपनी/इकाई में CEO के रूप में कम से कम 10 वर्षों का अनुभव रखने वाला उम्मीदवार IOA के CEO के रूप में नियुक्त होने के लिए पात्र है।

इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन (IOA) के बारे में:

अध्यक्ष- पिलावुल्लाकांडी थेक्केपराम्बिल उषा (P.T. उषा)

मुख्यालय- नई दिल्ली, दिल्ली

स्थापना- 1927

न्यायमूर्ति BR गवई SCLSC के अध्यक्ष के रूप में नामांकित; न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को NALSA के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया

राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण (BR) गवई को सर्वोच्च न्यायालय कानूनी सेवा समिति (SCLSC) के अध्यक्ष के रूप में नामित किया है।

वह सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की जगह लेंगे।

नोट: कानून और न्याय मंत्रालय के तहत न्याय विभाग ने 29 दिसंबर 2023 को इस आशय की अधिसूचना जारी की।

BR गवई के बारे में:

i. BR गवई ने 1985 में बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर बेंच में एक वकील के रूप में अपना करियर शुरू किया।

ii. उन्हें 2000 में नागपुर बेंच के लिए सरकारी वकील और लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त किया गया था।

iii. 2003 में, उन्हें बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया और बाद में 2005 में स्थायी न्यायाधीश बन गए।

iv. 2019 में, उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। वह 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

SCLSC के बारे में:

i. SCLSC की स्थापना कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 3A के तहत की गई थी।



ii. समिति का लक्ष्य समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सेवाएं प्रदान करना है।

iii. SCLSC में अध्यक्ष के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के एक मौजूदा न्यायाधीश और भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) द्वारा नामित 9 सदस्य होते हैं।

संजीव खन्ना को NALSA के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया:

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 3 की उप-धारा (2) के खंड (b) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को 26 दिसंबर 2023 से **NALSA के कार्यकारी अध्यक्ष** के रूप में नामित किया है।

- वह न्यायमूर्ति **संजय किशन कौल** की जगह लेंगे, जो 25 दिसंबर 2023 को सेवानिवृत्त हुए।

नोट: उन्हें 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और वह 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

अतिरिक्त जानकारी:

i. राष्ट्रपति, CJI के परामर्श से, NALSA के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में एक सक्रिय या सेवानिवृत्त सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश को नियुक्त करते हैं।

ii. परंपरा के अनुसार, NALSA के कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर सर्वोच्च न्यायालय के दूसरे वरिष्ठ न्यायाधीश का पद होता है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के बारे में:

भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) - न्यायमूर्ति धनंजय यशवंत (DY) चंद्रचूड़

स्थित - नई दिल्ली, दिल्ली

स्थापना- 1950

ACC ने अरुणा नायर को IRMS में रेलवे बोर्ड के सचिव के रूप में नियुक्त किया

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC) ने 1987 बैच की भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (IRPS) अधिकारी **अरुणा नायर** को 6 जनवरी 2024 से भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (IRMS) लेवल -16 में **रेलवे बोर्ड के सचिव** के रूप में नियुक्त किया है।

- अरुणा नायर IRMS में लेवल 16 पर सूचीबद्ध होने वाली **पहली IRPS** अधिकारी हैं।
- नियुक्ति से पहले, वह मई 2023 से रेलवे बोर्ड में अतिरिक्त सदस्य, स्टाफ के रूप में कार्यरत हैं।
- उन्होंने फरवरी 2022 से मई 2023 तक रेलवे बोर्ड के प्रधान कार्यकारी निदेशक/स्टाफ के रूप में भी काम किया है।

गेब्रियल अटल फ्रांस के अब तक के सबसे कम उम्र के PM नियुक्त; PM एलिज़ाबेथ बोर्न ने इस्तीफा दिया

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने 34 वर्षीय **गेब्रियल अटल** को फ्रांस का नया प्रधान मंत्री (PM) नियुक्त किया है।

इसके साथ, अटल 1958 में फ्रेंच फिफ्थ रिपब्लिक की स्थापना के बाद से फ्रांस के सबसे कम उम्र के PM बन गए। वह फ्रांस के पहले खुले तौर पर समलैंगिक PM भी हैं।

- **गेब्रियल अटल** ने **एलिज़ाबेथ बोर्न** की जगह ली, जिन्होंने 8 जनवरी 2024 को कार्यालय में 20 महीने के बाद इस्तीफा दे दिया। उन्हें मई 2022 में फ्रांस के PM के रूप में नियुक्त किया गया था।



- नियुक्ति से पहले, अटल (जुलाई 2023 से) **राष्ट्रीय शिक्षा और युवा मंत्री** के रूप में कार्यरत रहे हैं।

नोट:

- i. फ्रांस के सबसे कम उम्र के PM का रिकॉर्ड पहले **लॉरेंट फैबियस** के नाम था, जो 37 वर्ष के थे जब उन्हें 1984 में फ्रांस का PM नामित किया गया था।
- ii. एलिजाबेथ बोर्न फ्रांस की पहली महिला PM **एडिथ क्रेसन** (मई 1991-अप्रैल 1992) के बाद फ्रांस की **दूसरी** और **सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली महिला PM** थीं।

गेब्रियल अटल के बारे में:

- i. गेब्रियल अटल 2006 में सोशलिस्ट पार्टी में शामिल हुए और 2007 के चुनाव में इसके राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार Ségolène Royal का समर्थन किया।
- ii. 2016 में, उन्होंने सोशलिस्ट पार्टी छोड़ दी और इमैनुएल मैक्रॉन की नसेन्ट सेंट्रिस्ट पोलिटिकल पार्टी En March में शामिल हो गए, जो बाद में La République En Marche (LREM) बन गई।
- iii. वह 2017 में संसद के लिए चुने गए और 2018 में सबसे कम उम्र के मंत्रिमंडल सदस्य बने, जो युवाओं के लिए राज्य सचिव के रूप में कार्यरत थे।
- iv. उन्होंने 2020 से 2022 तक सरकारी प्रवक्ता के रूप में कार्य किया और फिर उन्हें बजट मंत्री नामित किया गया।
- v. वह जून 2023 में असेंबली नेशनल के लिए चुने गए और जुलाई 2023 में उन्हें वित्त मंत्रालय में कनिष्ठ मंत्री और शिक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया।

फ्रांस के बारे में:

राष्ट्रपति- इमैनुएल मैक्रॉन

PM- गेब्रियल अटल

राजधानी- पेरिस

मुद्रा- यूरो

इंद्र मणि पांडे को BIMSTEC के चौथे SG के रूप में नियुक्त किया गया; यह पद संभालने वाले पहले भारतीय बने

4 जनवरी 2024 को, राजदूत **इंद्र मणि पांडे** ने बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (BIMSTEC) के **चौथे महासचिव (SG)** के रूप में कार्यभार संभाला।

- i. इसके साथ, पांडे यह पद संभालने वाले **पहले भारतीय** बन गए। वह 3 साल की अवधि के लिए SG बने रहेंगे।
- ii. उन्होंने भूटान के **तेनज़िन लेकफेल** की जगह ली, जिन्होंने 6 नवंबर 2020 से 5 नवंबर 2023 तक BIMSTEC के तीसरे SG के रूप में कार्य किया।

नोट: पांडे सितंबर 2020 से जिनेवा, स्विट्जरलैंड में संयुक्त राष्ट्र (UN) और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत हैं।

इंद्र मणि पांडे के बारे में:

- i. इंद्र मणि पांडे 1990 बैच के भारतीय विदेश सेवा (IFS) अधिकारी हैं।
- ii. UN में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में नियुक्ति से पहले, उन्होंने विदेश मंत्रालय (MEA) में निरस्त्रीकरण & अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के प्रभाग के प्रभारी अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्य किया।
- iii. उन्होंने निम्नलिखित के रूप में भी कार्य किया:
 - 2015 से 2018 तक ओमान सल्तनत में भारत के राजदूत;
 - 2013 से 2015 तक फ्रांस में भारत के उप राजदूत;
 - चीन के गुआंगज़ौ में भारत के महावाणिज्यदूत;

- सितंबर 2003 से निरस्त्रीकरण सम्मेलन में स्थायी मिशन में परामर्शदाता (निरस्त्रीकरण)।

iv. उन्होंने काहिरा (मिस्र), दमिश्क (सीरिया), इस्लामाबाद (पाकिस्तान), और काबुल (अफगानिस्तान) में भारतीय मिशनों और जिनेवा में निरस्त्रीकरण सम्मेलन में भारत के स्थायी मिशन में विभिन्न पदों पर कार्य किया।

बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (BIMSTEC) के बारे में:

BIMSTEC, एक क्षेत्रीय संगठन, 6 जून 1997 को बैंकॉक घोषणा पर हस्ताक्षर के साथ BIST-EC (बांग्लादेश-भारत-श्रीलंका-थाईलैंड आर्थिक सहयोग) के रूप में स्थापित किया गया था।

म्यांमार के प्रवेश के बाद 22 दिसंबर 1997 को इसका नाम बदलकर BIMSTEC कर दिया गया।

वर्तमान सदस्य: बांग्लादेश; भूटान; भारत; म्यांमार; नेपाल; श्रीलंका और थाईलैंड

महासचिव- इंद्र मणि पांडे

महानिदेशक- श्री अब्दुल मोटालेब सरकार

मुख्यालय- ढाका, बांग्लादेश

ACC ने RBI के डिप्टी गवर्नर के रूप में MD पात्रा की पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दे दी

प्रधान मंत्री (PM) नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC) ने दूसरी बार भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के डिप्टी गवर्नर के रूप में **माइकल देबब्रत पात्रा** की पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

- उनका कार्यकाल 15 जनवरी 2024 से **एक वर्ष** या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया गया।

माइकल देबब्रत पात्रा के बारे में:

i. पात्रा को शुरुआत में **विरल आचार्य** की जगह तीन साल (2023 तक) के कार्यकाल के लिए 2020 में RBI के डिप्टी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया था।

ii. 2023 में, उनका कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया था जो 14 जनवरी 2024 को समाप्त हो गया।

MoHUA ने महेश्वर राव को बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के MD के रूप में नियुक्त किया

आवास & शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने **महेश्वर राव IAS** को बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BMRCL) का नया पूर्णकालिक प्रबंध निदेशक (MD) नियुक्त किया है।

- महेश्वर राव 1995 बैच के कर्नाटक कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी हैं।
- वह **अंजुम परवेज़** (1994 बैच के IAS अधिकारी) की जगह लेंगे जो 2021 से इस पद पर कार्यरत हैं।
- MoHUA के पास BMRCL में 50 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी है।

नोट: BMRCL जिसे नम्मा मेट्रो के नाम से भी जाना जाता है, भारत में चौथा सबसे लंबा परिचालन वाला मेट्रो नेटवर्क है।

ताइवान के VP विलियम लाई चिंग-ते ने राष्ट्रपति चुनाव जीता

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (DPP) के **विलियम लाई चिंग-ते** (64 वर्ष) ने 40.05% वोट के साथ ताइवान का राष्ट्रपति चुनाव जीता और उन्हें ताइवान के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है।

- विलियम लाई चिंग-ते 2020 से ताइवान के उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यरत हैं।
- वह ताइवान की वर्तमान और पहली महिला राष्ट्रपति **त्साई इंग-वेन** की जगह लेंगे।
- औपचारिक शपथ ग्रहण समारोह **मई 2024** में ताइवान में आयोजित किया जाएगा और लाई चिंग-ते **4 साल** (2028 तक) के लिए इस पद पर रहेंगे।

चुनाव के बारे में:

i. लाई चिंग-ते को 40.1% वोट मिले, जबकि कुओमिन्तांग (KMT) पार्टी से ताइपे के मेयर हुआ यू-इह को केवल 33.5% वोट मिले और ताइवान पीपल्स पार्टी (TPP) के को वेन-जे को 26.5% वोट मिले।

ii. चुनाव ने DPP को ताइवान में लगातार तीन कार्यकाल सुरक्षित करने वाली पहली पार्टी बना दिया।

- DPP शुरू में 2016 में त्साई इंग-वेन की अध्यक्षता में सत्ता में आई थी; दूसरा कार्यकाल 2020-24 तक था।

iii. चुनाव 13 जनवरी 2024 को हुआ था।

विलियम लाई चिंग-ते के बारे में:

i. 2010 में, उन्हें ताइवान विशेष नगर पालिका के पहले मेयर के रूप में चुना गया था।

ii. उन्हें 2020 में ताइवान के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में नियुक्त किया गया था।

iii. वह जनवरी 2023 से DPP के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

ताइवान के बारे में:

राष्ट्रपति - त्साई इंग-वेन

राजधानी - ताइपे

मुद्रा - न्यू ताइवान डॉलर



RBI ने DCB बैंक के MD & CEO के रूप में प्रवीण अच्युतन कुट्टी की नियुक्ति को मंजूरी दी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 29 अप्रैल, 2024 से 3 साल के लिए DCB बैंक लिमिटेड (जिसे पहले डेवलपमेंट क्रेडिट बैंक के नाम से जाना जाता था) के प्रबंध निदेशक (MD) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) के रूप में प्रवीण अच्युतन कुट्टी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

वह DCB बैंक के मौजूदा MD और CEO मुरली M नटराजन की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 28 अप्रैल 2024 को समाप्त होने वाला है। वह 2009 से इस पद पर हैं।

प्रवीण अच्युतन कुट्टी के बारे में:

i. उनके पास खुदरा और लघु और मध्यम आकार के उद्यम (SME) बैंकिंग के सभी पहलुओं में 32 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

ii. वह 2007 में कार्यकारी उपाध्यक्ष और उपभोक्ता बैंकिंग के प्रमुख के रूप में DCB बैंक में शामिल हुए। वर्तमान में, वह खुदरा, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों (SME) और अग्रि-बैंकिंग परिचालन की देखरेख कर रहे हैं।

iii. DCB बैंक में शामिल होने से पहले, उन्होंने सिटीबैंक में उत्तरी अमेरिका में अनिवासी भारतीय (NRI) व्यवसाय के क्षेत्र निदेशक के रूप में कार्य किया।

- उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) और कनाडा के लिए NRI बिजनेस के प्रमुख के रूप में काम किया।

DCB बैंक लिमिटेड के बारे में:

DCB बैंक की स्थापना 1930 में "डेवलपमेंट क्रेडिट बैंक लिमिटेड" के रूप में की गई थी और 2013 से इसका नाम बदलकर DCB बैंक लिमिटेड कर दिया गया।



MD & CEO- मुरली M नटराजन

मुख्यालय- मुंबई, महाराष्ट्र

फ्रेडरिक X को डेनमार्क का नया राजा घोषित किया गया; रानी मार्ग्रेथ II का त्याग

डेनमार्क के क्राउन प्रिंस **फ्रेडरिक आंद्रे हेनरिक क्रिश्चियन (फ्रेडरिक X)** (55 वर्ष) को वहां के प्रधान मंत्री **(PM)** मेटे फ्रेडरिकसन द्वारा डेनमार्क का नया राजा घोषित किया गया।

- राजा फ्रेडरिक X ने 14 जनवरी 2024 को क्रिश्चियनबोर्ग पैलेस में अपनी मां रानी मार्ग्रेथ II के त्याग के बाद सिंहासन ग्रहण किया।
- उन्होंने पेरिस (फ्रांस) में डेनिश दूतावास और न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका **(USA)** में डेनमार्क के संयुक्त राष्ट्र (UN) मिशन में सेवा की।

नोट- रानी मार्ग्रेथ II लगभग 900 वर्षों में सिंहासन छोड़ने वाली डेनमार्क की पहली सम्राट बन गई हैं।

डेनमार्क के बारे में:

प्रधान मंत्री (PM)- मेटे फ्रेडरिकसन

राजधानी - कोपेनहेगन

मुद्रा - डेनिश क्रोन

MHI ने ऑटो PLI में अधिक कंपोनेंट को शामिल करने की मांगों की जांच के लिए पैनल बनाया; हनीफ कुरेशी ने अध्यक्षता की

16 जनवरी, 2024 को मिनिस्ट्री ऑफ हैवी इंडस्ट्रीज **(MHI)** ने ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री **(PLI-AUTO)** के लिए प्रोडक्शन लिंकड इंसेंटिव **(PLI)** योजना में अधिक कंपोनेंट को शामिल करने की मांग की जांच करने के लिए एक **समिति** का गठन किया है।

अध्यक्ष- हनीफ कुरेशी, MHI में अतिरिक्त सचिव

सदस्य- ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया **(ARAI)** और ऑटो इंडस्ट्री जैसी परीक्षण एजेंसियों के प्रतिनिधियों सहित 11 सदस्य।

सलाहकार- इंडस्ट्री के दिग्गज **पवन गोयनका**, महिंद्रा & महिंद्रा **(M&M)** के पूर्व प्रबंध निदेशक (MD)।

नोट: इसकी घोषणा 16 जनवरी 2024 को नई दिल्ली, दिल्ली में MHI द्वारा आयोजित **ऑटो PLI कॉन्क्लेव** के मौके पर केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडे, MHI द्वारा की गई थी।

प्रमुख बिंदु:

i. यह निर्णय PLI योजना के दायरे में अधिक (ऑटोमोटिव) कंपोनेंट को शामिल करने की हितधारकों की मांग पर लिया गया है।

ii. 11 सदस्यीय समिति में विभिन्न हितधारकों के इंडस्ट्री विशेषज्ञ शामिल होंगे, जिनमें ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI) जैसी परीक्षण एजेंसियां और अन्य इंडस्ट्री निकायों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

iii. विशेष रूप से, MHI ने ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स के लिए PLI योजना का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ा दिया है और FY 2023-24 से 2027-28 तक शुरू होने वाले लगातार पांच वित्तीय वर्षों के लिए निर्धारित बिक्री के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। [पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें](#)

PLI-AUTO योजना के बारे में:

i. यह एक सरकारी योजना है जिसका उद्देश्य एडवांस्ड ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (AAT) उत्पादों के विनिर्माण को बढ़ावा देना है।

- ii. इसे 15 सितंबर, 2021 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 5 साल (FY 2022-2023 से 2026-2027) की अवधि के लिए 25,938 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया था, जबकि इसका वितरण बाद के वित्तीय वर्ष (FY 2023-24 से FY 2027-28 तक) में लागू है।
- iii. यह योजना जीरो एमिशन व्हीकल्स (ZEV) यानी बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल (BEV) और हाइड्रोजन फ्यूल सेल व्हीकल (HFCV) पर केंद्रित है।
- iv. इसका उद्देश्य न्यूनतम 50% घरेलू मूल्य संवर्धन (DVA) के साथ स्थानीयकरण को बढ़ावा देना और निवेश आकर्षित करना और बड़े पैमाने पर विनिर्माण क्षमता का निर्माण करना है।
- v. योजना ने अपने लक्ष्य को पार कर लिया, पांच वर्षों में अपेक्षित 42,500 करोड़ रुपये के मुकाबले 67,690 करोड़ रुपये आकर्षित किये। दिसंबर 2023 तक 13,037 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है।

बर्नार्डो एरेवलो ने ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली

भ्रष्टाचार विरोधी नेता **सीज़र बर्नार्डो एरेवलो डी लियोन** ने ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। वह सोशल डेमोक्रेटिक **मोविमिएंटो सेमिला पार्टी** के नेता हैं।

- बर्नार्डो एरेवलो ने दक्षिणपंथी पार्टी **वामोस** के नेता **एलेजांद्रो जियामाटेई** की जगह ली।
- ग्वाटेमाला राष्ट्रपति चुनाव अगस्त 2023 में आयोजित किया गया था।
- बर्नार्डो ने लैटिन अमेरिका के क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक के रूप में कार्य किया; 2005 में वह संयुक्त राष्ट्र (UN) के संयुक्त कार्यक्रम इकाई/इंटरपीस इनिशिएटिव्स (JPU) के निदेशक बने - इंटरपीस की UN के साथ एक अनूठी साझेदारी है।

ग्वाटेमाला के बारे में:

ग्वाटेमाला मेक्सिको के दक्षिण में एक मध्य अमेरिकी देश है।

राजधानी - ग्वाटेमाला सिटी

मुद्रा - ग्वाटेमाला क्वेटज़ल

भारत सरकार ने अनुसूचित जातियों के हितों की रक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया

भारत सरकार (GoI) ने मैडिगा जैसे अनुसूचित जाति (SC) के सबसे वंचित समूहों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से प्रशासनिक उपायों की जांच करने के लिए एक **उच्च स्तरीय समिति** का गठन किया है।

- समिति का गठन प्रधान मंत्री (PM) नरेंद्र मोदी के निर्देशन में किया गया था, जिसके **अध्यक्ष** मंत्रिमंडल के सचिव **राजीव गौबा** थे।
- यह पहल SC समुदायों के भीतर मौजूदा असमानताओं को दूर करने के लिए है।

Government forms Committee of Secretaries to examine steps to safeguard interests of Scheduled Castes

उद्देश्य:

i. SC समुदायों को लाभ का उचित और समान वितरण सुनिश्चित करना।

ii. लाभों के असमान आवंटन के संबंध में मैडिगा जैसे समूहों द्वारा उठाई गई चिंताओं का समाधान करना।

समिति की संरचना:

समिति में गृह मंत्रालय (MoHA); कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT); जनजातीय कार्य मंत्रालय (MoTA); कानूनी मामलों का विभाग; और सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के प्रमुख सचिव शामिल होंगे।

नोट: समिति 23 जनवरी 2024 को अपनी उद्घाटन बैठक आयोजित करने के लिए तैयार है।

पृष्ठभूमि:

- i. आंध्र प्रदेश (AP), तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों ने SC के बीच आरक्षण लाभ और कल्याण/विकासात्मक योजनाओं के असमान वितरण के आधार पर SC के उप-वर्गीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है।
- ii. यह मामला विभिन्न कोर्ट में प्रस्तुत किया गया है और वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट की 7-न्यायाधीशों की पीठ द्वारा विचाराधीन है।

IPS अधिकारी दलजीत सिंह चौधरी को सशस्त्र सीमा बल के DG के रूप में नियुक्त किया

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC) ने भारतीय पुलिस सेवा (IPS) अधिकारी **दलजीत सिंह चौधरी** को **सशस्त्र सीमा बल (SSB) के महानिदेशक (DG)** के रूप में नियुक्ति की मंजूरी दे दी है, जो शामिल होने की तारीख से 30 नवंबर 2025 (उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख) तक प्रभावी रहेगी।

- उन्होंने **रश्मि शुक्ला** की जगह ली, जिन्होंने मार्च 2023 से जनवरी 2024 तक SSB के DG के रूप में कार्य किया।
- इस नियुक्ति से पहले, दलजीत सिंह चौधरी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के विशेष DG के रूप में कार्यरत थे।

नोट: 4 जनवरी 2024 को, रश्मि शुक्ला को महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (DGP) के रूप में नियुक्त किया गया था। वह यह पद संभालने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं।

दलजीत सिंह चौधरी के बारे में:

- i. दलजीत सिंह चौधरी उत्तर प्रदेश (UP) कैडर के 1990 बैच के IPS हैं।
- ii. इससे पहले, उन्होंने भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) में महानिरीक्षक (IG) और अतिरिक्त महानिदेशक (ADG) के रूप में भी काम किया है।
- iii. 2021 में, उन्हें CRPF के ADG के रूप में नियुक्त किया गया और 2023 में CRPF के विशेष DG के रूप में पदोन्नत किया गया।

सशस्त्र सीमा बल (SSB) के बारे में:

SSB भारत के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) में से एक है, जिसे 1962 में चीनी आक्रमण के बाद मई 1963 में एक विशेष सेवा ब्यूरो के रूप में स्थापित किया गया था।

इसे 2001 में **गृह मंत्रालय (MoHA)** के तहत लाया गया था और मुख्य रूप से नेपाल और भूटान के साथ भारत की सीमाओं की रक्षा के लिए एक लीड इंटेलिजेंस एजेंसी घोषित किया गया था।

मुख्यालय- नई दिल्ली, दिल्ली

भारतीय क्रिकेटर रवींद्र जड़ेजा को VARNI का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया

प्रीमियम इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद ब्रांड VARNI ने भारतीय क्रिकेटर रवींद्रसिंह अनिरुद्धसिंह जड़ेजा (रवींद्र जड़ेजा) को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है।

- VARNI की स्थापना 2009 में किशन माली द्वारा की गई थी जो कंपनी के प्रबंध निदेशक भी हैं।
- यह स्पीकर, स्मार्ट वॉचेस, हेडफोन, केबल, पावर बैंक और चार्जर सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला बेचता है।



रवींद्र जड़ेजा के बारे में:

- ऑलराउंडर ने 2009 में (कोलंबो, श्रीलंका) श्रीलंका के खिलाफ एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (ODI) मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया।
- 27 जनवरी तक, उन्होंने 69 टेस्ट मैचों (2891 रन बनाए), 197 ODI मैचों (2756 रन) और 66 (480 रन) ट्वेंटी 20 अंतर्राष्ट्रीय (T20I) मैचों में भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अब तक सभी प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय मैचों में 551 विकेट भी लिए हैं।

पूर्व PM शेरिंग टोबगे दूसरी बार भूटान के PM बनने के लिए तैयार हैं

भूटान के पूर्व प्रधान मंत्री (PM) शेरिंग टोबगे, पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) के अध्यक्ष, दूसरे कार्यकाल के लिए भूटान के PM बनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पहली बार 2013 से 2018 तक PM के रूप में कार्य किया।

- शेरिंग टोबगे लोटे शेरिंग की जगह लेंगे, जिन्होंने 2018 से 2023 तक भूटान के PM के रूप में कार्य किया।

चुनाव के बारे में:

i. PDP ने चौथी राष्ट्रीय विधानसभा के आम चुनाव के दौरान संसद की 47 सीटों में से 30 सीटें जीतीं।

ii. भूटान टेंड्रेल पार्टी (BTP) ने शेष 17 सीटें हासिल कीं और विपक्षी पार्टी बन गई।

शेरिंग टोबगे के बारे में:

i. सक्रिय रूप से राजनीति में शामिल होने से पहले वह एक सिविल सेवक थे और एक उत्साही संरक्षण समर्थक हैं।

ii. प्रारंभ में, उन्होंने प्रभारी अधिकारी के पद पर पदोन्नत होने से पहले शिक्षा विभाग के भीतर 2 साल तक एक कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्य किया।

iii. बाद में, वह श्रम और रोजगार मंत्रालय में मानव संसाधन विभाग के निदेशक बने।

iv. वह भूटान में PDP को पहली पंजीकृत राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित करने के लिए जिम्मेदार थे और इसके अध्यक्ष के रूप में काम करना जारी रखा।

v. 2007 में, वह थिम्पू में PDP के उम्मीदवार बने और राजनीति में शामिल होने के लिए सरकार से इस्तीफा देने वाले पहले नागरिक बने।

vi. उन्होंने 2008 से 2013 तक राष्ट्रीय विधानसभा में भूटान के विपक्षी दल के पहले नेता के रूप में कार्य किया।

भूटान की चुनावी व्यवस्था:

i. 2008 में, भूटान एक पूर्ण राजतंत्र से संसदीय सरकार के साथ एक संवैधानिक राजतंत्र में परिवर्तित हो गया।

ii. भूटान के राजा राज्य के प्रमुख हैं जबकि PM सरकार के प्रमुख हैं।

iii. 2008 से, भूटान ने 4 चुनाव आयोजित किए हैं। भूटान की संसद में भूटान के राजा, राष्ट्रीय परिषद (उच्च सदन) और राष्ट्रीय विधानसभा (निचला सदन) शामिल हैं।

भूटान के बारे में:

राजधानी- थिम्पू

राज्य प्रमुख- जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक

PM- शेरिंग टोबगे

मुद्रा- भूटानी नगुल्ट्रम

नीतीश कुमार ने 9वीं बार बिहार के CM पद की शपथ ली; सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा ने उप CM पद की शपथ ली

जनता दल (यूनाइटेड) (JD-U) के अध्यक्ष **नीतीश कुमार** ने बिहार में नई सरकार बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (BJP) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) और उसके सहयोगियों के साथ हाथ मिलाने के बाद **9 वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री (CM)** के रूप में शपथ ली।

- उन्हें बिहार के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने राजभवन, पटना (बिहार) में पद की शपथ दिलाई। उनके साथ **सम्राट चौधरी** और **विजय कुमार सिन्हा** ने उप CM पद की शपथ ली।

नोट: शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रीय जनता दल (RJD) JD-U सरकार के CM पद से उनके इस्तीफे के बाद हुआ। उन्होंने अपने मंत्रियों को RJD से हटाकर BJP के मंत्रियों को शामिल कर लिया।



ध्यान देने योग्य बातें:

- i. JD-U और RJD महागठबंधन (ग्रेट अलायन्स) के 2 प्रमुख सहयोगी थे, जो भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (INDIA) का एक हिस्सा था, जिसका नेतृत्व मुख्य रूप से विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने किया था।
- ii. 2022 में, नीतीश कुमार BJP के नेतृत्व वाले NDA को छोड़कर महागठबंधन में शामिल हो गए।

नीतीश कुमार के बारे में:

i. 3 मार्च 2000 से 10 मार्च 2000 तक, नीतीश कुमार ने पहली बार CM की भूमिका निभाई।

- CM के रूप में उनके अन्य कार्यकाल: 2005-2010; 2010-2014; 22 फरवरी, 2015 - 19 नवंबर, 2015; 2015 - 2017; 2017-2020; 2020-2022; 2022-2024.

ii. उन्होंने 1989 से 2004 तक संसद सदस्य (MP) - लोकसभा के रूप में कार्य किया। उन्होंने केंद्रीय कृषि, रेलवे और भूतल परिवहन मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

कोमोरोस के राष्ट्रपति अज़ाली असौमानी ने राष्ट्रपति के रूप में चौथा कार्यकाल जीता

अज़ाली असौमानी कोमोरोस संघ के राष्ट्रपति के रूप में चौथे 5 साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया है। उन्होंने 2024 कोमोरियन राष्ट्रपति चुनाव कुल वोटों के 62.97% के साथ जीता।

- अज़ाली असौमानी 1999 से कोमोरोस के राष्ट्रपति के रूप में कार्यरत हैं।
- यह उनका लगातार तीसरा कार्यकाल है और वह 2029 तक शासन करेंगे।

अज़ाली असौमानी के बारे में:

i. अज़ाली असौमानी, एक पूर्व सैन्य अधिकारी, पहली बार तख्तापलट के माध्यम से सत्ता में आए और बाद में 2002, 2016 और 2019 में 3 चुनाव जीते।

ii. उन्होंने 2006 में राजनीति छोड़ दी और 2016 में वापस लौटे और राष्ट्रपति चुनाव 2016 जीता।

iii. राष्ट्रपति के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, सरकार ने राष्ट्रपति पद की सीमा बढ़ाने और कोमोरोस के 3 मुख्य द्वीपों: अंजुआन, ग्रान्डे कोमोर और मोहेली के बीच रोटेशन की प्रणाली को समाप्त करने के लिए 2018 में एक संवैधानिक जनमत संग्रह कराया।

- यह असौमानी को राष्ट्रपति के रूप में चौथा कार्यकाल पाने में सक्षम बनाता है।

iv. वह वर्तमान में अफ्रीकी संघ (AU) के अध्यक्ष (फरवरी 2023 से फरवरी 2024) के रूप में कार्यरत हैं।



कोमोरोस के बारे में:

कोमोरोस दक्षिणपूर्वी अफ्रीका में 3 द्वीपों से बना एक द्वीपसमूह देश है।

राष्ट्रपति- अज़ाली असौमानी

राजधानी- मोरोनी

मुद्रा- कोमोरियन फ्रैंक

ACQUISITION & MERGERS

टाटा पावर ने बीकानेर स्पेशल पर्पस व्हीकल में 100% हिस्सेदारी खरीदी

टाटा पावर ने 18.6 करोड़ रुपये में एक स्पेशल पर्पस व्हीकल (SPV) **बीकानेर III नीमराना II ट्रांसमिशन लिमिटेड** में 100% इक्विटी हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

- SPV की स्थापना PFC कंसल्टिंग लिमिटेड द्वारा की गई थी जो पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की सहायक कंपनी है।
- SPV का गठन जून 2023 में इलेक्ट्रिकल पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट के लिए किया गया था, जिसे बिल्ड-ओन-ऑपरेट-ट्रांसफर (BOOT) आधार पर विकसित किया जाएगा।
- 1544 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली ट्रांसमिशन लाइन प्रोजेक्ट राजस्थान में बीकानेर से नीमराना तक 340 kms की दूरी पर 7.7 गीगावाट (GW) ग्रीन पावर हस्तांतरित करेगी।

CCI ने PSPCL द्वारा GVK पावर (गोइंदवाल साहिब) लिमिटेड के 100% अधिग्रहण को मंजूरी दी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (PSPCL) द्वारा GVK पावर (गोइंदवाल साहिब) लिमिटेड की 100% शेयरधारिता के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

नोट: यह समाधान योजना से संबंधित है, जिसमें समाधान आवेदक घोषित होने के बाद PSPCL द्वारा GVK पावर (गोइंदवाल साहिब) लिमिटेड का 100% अधिग्रहण शामिल है।

ध्यान देने योग्य बात:

i.पंजाब सरकार ने 1,080 करोड़ रुपये में गोइंदवाल साहिब थर्मल पावर प्लांट का अधिग्रहण किया है। इसके साथ ही पंजाब निजी थर्मल प्लांट खरीदने वाली पहली राज्य सरकार बन गई है।

ii.540 मेगावाट (MW) थर्मल प्लांट का नाम सिखों के तीसरे गुरु, **गुरु अमरदास** के नाम पर रखा जाएगा।

पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (PSPCL):

i.PSPCL पंजाब सरकार का पूर्ण स्वामित्व वाला उपक्रम है जिसका मुख्यालय पंजाब के पटियाला में है।

ii.इसका गठन फरवरी 1959 में विद्युत आपूर्ति अधिनियम 1948 के तहत पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (PSEB) के रूप में किया गया था।

ii.2010 में, PSEB का पुनर्गठन किया गया और 2 अलग-अलग संस्थाओं में विभाजित किया गया:

- पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (PSPCL) और
- पंजाब स्टेट ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (PSTCL)।

GVK पावर (गोइंदवाल साहिब) लिमिटेड:

GVK पावर (गोइंदवाल साहिब) लिमिटेड, दिसंबर 1997 में निगमित, GVK एनर्जी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो GVK पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सहायक कंपनी है।

मुख्यालय- सिकंदराबाद, तेलंगाना

ICICI वेंचर थियोब्रोमा फूड लिमिटेड में अपनी पूरी 42% हिस्सेदारी बेचेगा

मुंबई (महाराष्ट्र) स्थित ICICI वेंचर फंड्स मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने मुंबई स्थित थियोब्रोमा फूड प्राइवेट लिमिटेड में अपनी पूरी 42% चुकता शेयर पूंजी 1,200 करोड़ रुपये में बेचने का फैसला किया है।

- डील पूरी होने में छह से नौ महीने लगते हैं।
- ICICI वेंचर ने पूरे भारत में विस्तार करने के लिए 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पेशकश करने की प्रतिबद्धता के साथ 2017 में थियोब्रोमा फूड प्राइवेट लिमिटेड को अपने साथ जोड़ा है।

ICICI वेंचर फंड्स मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के बारे में:

ICICI वेंचर ICICI बैंक लिमिटेड की एक वैकल्पिक निवेश शाखा है।

प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO)-पुनीत नंदा

स्थापित – 1988

कनाडा की ब्रुकफील्ड 2.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर में ATC इंडिया का अधिग्रहण करने के लिए तैयार है

कनाडा स्थित ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट (BAM) अपने सहयोगी डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट (DIT) के माध्यम से लगभग 2.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उद्यम मूल्य पर अमेरिकन टॉवर कॉर्पोरेशन (ATC) की भारतीय इकाई का पूर्ण अधिग्रहण करने के लिए तैयार है।

लेन-देन विनियामक अनुमोदन के अधीन है और 2024 की दूसरी छमाही में पूरा होने की उम्मीद है।

- अधिग्रहण के बाद, ब्रुकफील्ड 2.53 लाख टावरों के साथ भारत की सबसे बड़ी टावर कंपनी बन जाएगी।
- रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (RJIL) ब्रुकफील्ड का एंकर क्लाइंट है जबकि वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (VI) ATC का एंकर क्लाइंट है।

ACC ने 775 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर ACCPL में शेष 55% हिस्सेदारी हासिल की

अदानी के स्वामित्व वाली अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड की सहायक कंपनी ACC लिमिटेड ने एशियन कंक्रीट्स एंड सीमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (ACCPL) में शेष 55% हिस्सेदारी (मूल्य 425.96 करोड़ रुपये) अपने मौजूदा प्रमोटर से 775 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर हासिल कर ली है, जिससे यह पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई। अधिग्रहण को पूरी तरह से आंतरिक स्रोतों से वित्त पोषित किया गया है और इसमें एशियन कंक्रीट्स के साथ 35 करोड़ रुपये की नकदी और समतुल्य राशि शामिल है।

- अधिग्रहण से पहले, ACC लिमिटेड के पास ACCPL में 45% हिस्सेदारी थी।
- इस अधिग्रहण के साथ, ACC लिमिटेड अपनी मौजूदा सीमेंट उत्पादन क्षमता में 2.8 मिलियन जोड़ देगा, जिससे यह कुल 38.55 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) हो जाएगी।
- ACC लिमिटेड जब अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड (जिसे अदानी सीमेंट भी कहा जाता है) के साथ जुड़ जाता है, तो ACC की सीमेंट क्षमता बढ़ जाएगी और 2028 तक अदानी के सीमेंट कारोबार की मौजूदा 77.40 MTPA क्षमता से 140 MTPA क्षमता के समग्र लक्ष्य पर प्रगति होगी।

LIC NHB प्रवर्तित 'RMBS' इकाई में 10% इक्विटी हिस्सेदारी लेगी

8 जनवरी, 2024 को भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के निदेशक मंडल ने राष्ट्रीय आवास बैंक (NHB) द्वारा प्रवर्तित कंपनी में 10% इक्विटी हिस्सेदारी हासिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। NHB प्रवर्तित कंपनी में निवेश आवासीय बंधक-समर्थित प्रतिभूतियों (RMBS) पर केंद्रित होगा।

- RMBS आवासीय ऋण (गृह ऋण) से ब्याज द्वारा सुरक्षित ऋण-आधारित संपत्ति/बॉन्ड हैं, जिससे उन्हें आम तौर पर कुछ अन्य परिसंपत्ति प्रकारों की तुलना में अधिक सुरक्षित निवेश माना जाता है।

- RMBS में जोखिम और वरिष्ठता को दर्शाने वाली विभिन्न क्रेडिट रेटिंग के साथ विभिन्न किश्तें शामिल हैं। निवेशकों को एकत्रित बंधक से मासिक ब्याज और मूल भुगतान प्राप्त होता है।

CCI ने IMCD इंडिया द्वारा सिग्रेट में 30% हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने मुंबई स्थित IMCD इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (IMCD इंडिया) द्वारा मुंबई (महाराष्ट्र) स्थित सिग्रेट एक्सिपिएंट्स प्राइवेट लिमिटेड (सिग्रेट) में शेष 30% चुकता शेयर पूंजी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

- IMCD इंडिया के पास वर्तमान में 2020 से सिग्रेट में 70% चुकता शेयर पूंजी है; जबकि शेष 30% शेयर पूंजी प्रमोटरों के पास है।
- अधिग्रहण का कार्य कॉल विकल्प के माध्यम से किया जाएगा।

नोट: IMCD इंडिया डच-आधारित IMCD NV की अप्रत्यक्ष पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

CCI ने श्रीराम LI होल्डिंग्स के श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस के साथ विलय को मंजूरी दे दी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने श्रीराम LI होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (SLIH) के श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (SLIC) के साथ प्रस्तावित एकीकरण को मंजूरी दे दी है।

- SLIH का प्राथमिक उद्देश्य SLIC का निवेश व्यवसाय शुरू करना है।

CCI ने श्रीराम GI होल्डिंग्स के श्रीराम जनरल इंश्योरेंस के साथ विलय को मंजूरी दे दी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने श्रीराम GI होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (SGIH) के श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (SGIC) के साथ प्रस्तावित एकीकरण को मंजूरी दे दी है।

SGIH:

i. SGIH निवेश के व्यवसाय में शामिल है, रणनीतिक, निजी इक्विटी और तीसरे पक्ष के निवेशकों को सुविधा प्रदान करता है।

ii. यह मंजूरी विशेष रूप से सामान्य बीमा उत्पाद क्षेत्र के संबंध में SGIC के परामर्श व्यवसाय तक भी फैली हुई है।

श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (SGIC) के बारे में:

SGIC श्रीराम कैपिटल लिमिटेड और सनलाम लिमिटेड (दक्षिण अफ्रीका) के बीच एक संयुक्त उद्यम (JV) है।

प्रबंध निदेशक (MD) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) - अनिल कुमार अग्रवाल

मुख्यालय - जयपुर, राजस्थान

स्थापित - 2006

श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (SLIC) के बारे में:

प्रबंध निदेशक (MD) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) - कैस्परस जैकबस हेंड्रिक क्रॉमहौट

मुख्यालय - हैदराबाद, तेलंगाना

स्थापित - 2005

GoI ने NHPC लिमिटेड में 3.5% हिस्सेदारी का विनिवेश करके 2500 रुपये जुटाए

भारत सरकार (GoI) ने NHPC लिमिटेड (तत्कालीन नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन), जो विद्युत मंत्रालय (MoP) के तहत एक मिनी रत्न श्रेणी- I केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (CPSE) हैं, में लगभग 3.5% प्रदत्त शेयर पूंजी का विनिवेश करके ऑफर फॉर सेल (OFS) के माध्यम से लगभग 2500 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

- OFS में 2.5% (251,125,870 शेयर) का आधार आकार और 1% (100,450,348 शेयर) का ग्रीन शू विकल्प शामिल है।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 (FY24) के लिए केंद्रीय बजट ने 51,000 करोड़ रुपये का विनिवेश लक्ष्य निर्धारित किया था।

विनिवेश - किसी PSU(सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) में GoI की हिस्सेदारी को कम करने की प्रक्रिया।

जापान के सॉफ्टबैंक ने पेटीएम में 1.95% हिस्सेदारी बेची

जापान स्थित **सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प** ने पेटीएम की मूल कंपनी **One97 कम्युनिकेशंस** में 1.95% पेड-अप शेयर कैपिटल को लगभग 950 करोड़ रुपये में बेच दिया है। इससे पेटीएम में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी 7.01% से घटकर 5.06% हो गई।

प्रमुख बिंदु:

i. इस उद्देश्य के लिए, सॉफ्टबैंक की सहायक कंपनी SVF इंडिया होल्डिंग्स (केमैन) लिमिटेड ने खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से पेटीएम के कुल 12.7 मिलियन इक्विटी शेयर बेचे।

ii. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI) (शेयरों का पर्याप्त अधिग्रहण और कब्ज़ा) विनियम, 2011 के विनियम 29(2) के अनुसार, किसी कंपनी में 5% से अधिक शेयर या वोटिंग अधिकार रखने वाली किसी भी फर्म को शेयरधारिता या वोटिंग अधिकारों में परिवर्तन के बारे में SEBI को बताना चाहिए, बशर्ते कि ऐसा परिवर्तन 2% से अधिक हो।

HDFC बैंक ने CAMS में 2.01% हिस्सेदारी 252.34 करोड़ रुपये में बेच दी

HDFC बैंक लिमिटेड ने चेन्नई (तमिलनाडु) स्थित कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (CAMS) में पेड-अप शेयर कैपिटल का 2.01%, 252.34 करोड़ रुपये के नकद मूल्य पर बेच दिया है।

- इससे 25 अगस्त 2023 और 23 जनवरी 2024 के बीच CAMS में HDFC बैंक की शेयरधारिता 5.95% से घटकर 3.94% हो गई।
- निपटान BSI लिमिटेड (पूर्व में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (NSE इंडिया) पर द्वितीयक बाजार मार्ग के माध्यम से हुआ।
- HDFC बैंक ने 2,558.43 रुपये प्रति शेयर के औसत बिक्री मूल्य के साथ 9,86,315 शेयर बेचे।

सोनी ने ज़ी एंटरटेनमेंट के साथ विलय समझौता समाप्त किया

कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (CME), जिसे पहले सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (SPNI) के नाम से जाना जाता था, ने ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (ZEEL) के साथ अपने 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विलय समझौते को आधिकारिक तौर पर समाप्त कर दिया है।

- सोनी और ज़ी के बीच दिसंबर 2021 में एकीकरण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन नियामक जांच और कानूनी मुकदमों के कारण विलय अधूरा रह गया।
- इस साझेदारी का उद्देश्य नेटफ्लिक्स इंक और Amazon.com इंक जैसे वैश्विक दिग्गजों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए भारत की सबसे बड़ी एंटरटेनमेंट कंपनी स्थापित करना है।

नोट: CME सोनी ग्रुप कॉर्पोरेशन, जापान की अप्रत्यक्ष पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

23 जनवरी 2024 को CCI की मंजूरी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने 23 जनवरी 2024 को निम्नलिखित को मंजूरी दे दी है।

JSW वेंचर्स सिंगापुर द्वारा MG मोटर इंडिया का अधिग्रहण:

CCI ने JSW वेंचर्स सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता) द्वारा शंघाई (चीन) स्थित SAIC मोटर की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी M G मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टारगेट) की भुगतान की गई शेयर पूंजी का लगभग 38% अधिग्रहण को मंजूरी दे दी।

i. JSW वेंचर्स सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड, JSW इंटरनेशनल ट्रेडकॉर्प प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और JSW समूह का एक हिस्सा है।

ii. M G मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ऑटोमोबाइल मूल उपकरण विनिर्माण (OEM) व्यवसाय में लगी हुई है। यह "MG" ब्रांड के तहत यात्री कारों के निर्माण और बिक्री में लगी हुई है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा विस्ट्रॉन का अधिग्रहण:

CCI ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता) द्वारा SMS इन्फोकॉम (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड और विस्ट्रॉन हांगकांग लिमिटेड से विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैनुफैक्चरिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (टारगेट) की 100% इक्विटी शेयर पूंजी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

i. टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड का एक ग्रीनफील्ड उद्यम है जो स्मार्टफोन एनक्लोजर (फोन का फ्रेम) बनाती है।

ii. विस्ट्रॉन समूह द्वारा 2017 में निगमित विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैनुफैक्चरिंग स्मार्टफोन के लिए इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाओं में लगी हुई है।

फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक & AU स्मॉल फाइनेंस बैंक का विलय

CCI ने बेंगलुरु (कर्नाटक) स्थित फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (फिनकेयर SFB) और जयपुर (राजस्थान) AU स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (AU SFB) के विलय को मंजूरी दे दी है, जिसमें AU विलय की गई इकाई होगी।

- फिनकेयर SFB के शेयरधारकों को AU SFB में शेयर आवंटित किए जाएंगे।

बर्मन परिवार के तहत 4 संस्थाओं द्वारा रेलिगेयर एंटरप्राइजेज का अधिग्रहण

CCI ने पूरन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, M.B. फिनमार्ट प्राइवेट लिमिटेड और VIC एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, मिलकी इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी (अधिग्रहणकर्ता) द्वारा रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (टारगेट) में शेयरधारिता के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

- अधिग्रहणकर्ताओं का नियंत्रण डाबर इंडिया लिमिटेड के प्रवर्तक **बर्मन परिवार** द्वारा किया जाता है।

अधिग्रहण का विवरण:

प्रस्तावित संयोजन में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों और अधिग्रहणों का पर्याप्त अधिग्रहण) विनियमों के प्रावधानों के तहत खुले बाजार में खरीद के माध्यम से जारी किए गए कुल का **5.27%** और कुल विस्तारित वोटिंग शेयर पूंजी का **26%** एक खुली पेशकश के अधिग्रहण की परिकल्पना की गई है। 2011.

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) के बारे में:

अध्यक्ष- रवनीत कौर

मुख्यालय – नई दिल्ली, दिल्ली

स्थापित – 2003 (2009 से परिचालन)

LIC को HDFC बैंक में 9.99% हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए RBI की मंजूरी मिल गई है

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) को हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन (HDFC) बैंक में अपनी हिस्सेदारी 9.99% तक बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मंजूरी मिल गई है।

- जनवरी 2024 तक, LIC के पास HDFC बैंक की 5.19% हिस्सेदारी है।
- RBI ने LIC को एक साल के भीतर HDFC बैंक के अतिरिक्त शेयर हासिल करने की भी सलाह दी है।
- RBI के नियमों के तहत, निजी क्षेत्र के बैंक की भुगतान की गई शेयर पूंजी या वोटिंग अधिकारों के 5% या उससे अधिक के अधिग्रहण के लिए RBI की पूर्व मंजूरी की आवश्यकता होगी।

SCIENCE & TECHNOLOGY

SpaceX ने अपना पहला 'डायरेक्ट-टू-सेल' स्टारलिंग उपग्रह लॉन्च किया

2 जनवरी 2024 को, SpaceX के फाल्कन 9 ने संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के कैलिफोर्निया में वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स में स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 4 ईस्ट (SLE-4E) से लो-अर्थ ऑर्बिट (LEO) में अपने पहले छह "डायरेक्ट-टू-सेल" उपग्रहों सहित 21 स्टारलिंग उपग्रह लॉन्च किए।

डायरेक्ट टू सेल उपग्रह:

i. डायरेक्ट टू सेल उपग्रह का उद्देश्य हार्डवेयर या फ़र्मवेयर को बदले बिना सभी इलाकों और स्थान कवरेज में टेक्स्ट, कॉल और ब्राउज़ करने के लिए निर्बाध वैश्विक पहुंच प्रदान करना है।

ii. ये स्टारलिंग उपग्रह उन्नत eNodeB मॉडेम का उपयोग करते हैं जो स्पेस में सेलफोन टॉवर के रूप में कार्य करता है।

- eNodeB - बेस स्टेशन उपकरण को संदर्भित करता है जो मोबाइल उपकरणों के साथ रेडियो इंटरफ़ेस को संभालता है।

iii. यह मानक रोमिंग पार्टनर के समान नेटवर्क एकीकरण के साथ डेडज़ोन (एक जगह जो सेल सिग्नल प्राप्त नहीं करता है) को खत्म कर देगा।

सेवाएँ:

i. डायरेक्ट टू सेल का उपयोग करने वाले टेक्स्ट फ़ंक्शन 2024 में सक्रिय हो जाएंगे और वॉयस, डेटा और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) सेवा 2025 से सक्रिय हो जाएगी।

ii. यह टेक्नोलॉजी लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन (LTE) फोन के साथ काम करेगी।

अतिरिक्त जानकारी:

वैश्विक सेलुलर प्रदाता जो वर्तमान में डायरेक्ट टू सेल का उपयोग कर रहे हैं, उनमें USA में T-मोबाइल, कनाडा में रोजर्स, जापान में KDDI, ऑस्ट्रेलिया में ऑप्टस, न्यूजीलैंड में वन NZ, स्विट्जरलैंड में साल्ट और चिली और पेरू में एंटेल् शामिल हैं।

स्टारलिंग:

i. स्टारलिंग अपने सभी उपयोगकर्ताओं को ब्रॉडबैंड इंटरनेट पहुंचाने के लिए LEO का उपयोग करने वाला दुनिया का पहला और सबसे बड़ा उपग्रह समूह है।

ii. पहले 60 स्टारलिंग उपग्रह मई 2019 में लॉन्च किए गए थे।

iii. वर्तमान में, इसके पास 5,000 से अधिक सक्रिय उपग्रह हैं जो ऑर्बिट से अपेक्षाकृत कम-विलंबता इंटरनेट संचारित करते हैं।

SpaceX के बारे में:

SpaceX (स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉर्पोरेशन) एक स्पेस ट्रांसपोर्टेशन और एयरोस्पेस मैनुफैक्चरर है।

संस्थापक & CEO– एलोन मस्क

स्थापित – 2002

मुख्यालय– हॉथोर्न, कैलिफोर्निया, USA



USSF-52 मिशन: SpaceX ने अनुसंधान मिशन पर गुप्त U.S. मिलिट्री स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किया

28 दिसंबर 2023 को, **SpaceX** के फाल्कन हेवी रॉकेट को US मिलिट्री के गुप्त **X-37-B मिलिट्री स्पेस प्लान** को कक्षा में ले जाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के फ्लोरिडा में कैनेडी स्पेस सेंटर में लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39A (LC -39A) से लॉन्च किया गया था।

- मिशन में 'नई कक्षीय व्यवस्थाओं का परीक्षण, भविष्य की स्पेस डोमेन जागरूकता प्रौद्योगिकियों के साथ प्रयोग' शामिल है।
- मिशन कोडनाम "**USSF-52**" X-37B का 7वां मिशन है। इस मिशन में कई अत्याधुनिक प्रयोग शामिल हैं।
- यह पहली बार है जब X-37B को फाल्कन हेवी रॉकेट का उपयोग करके लॉन्च किया गया है।

X-37B के बारे में:

i.X-37B ऑर्बिटल टेस्ट व्हीकल, जो 2010 से संचालित हो रहा है, को बोइंग और लॉकहीड मार्टिन के संयुक्त उद्यम, यूनाइटेड लॉन्च एलायंस द्वारा वायु सेना के लिए डिज़ाइन किया गया था।

ii.यह 30 फीट (9 मीटर) लंबा है, इसके पंखों का फैलाव 15 फुट है और यह सौर पैनलों द्वारा संचालित है।

पांचवां ACTCM बार्ज 'यार्ड 129 (LSAM 19)' SPPL, ठाणे में लॉन्च किया गया

24 जनवरी 2024 को, **पांचवें** गोला-बारूद सह टॉरपीडो सह मिसाइल (**ACTCM**) बार्ज, **यार्ड 129 (LSAM 19)** को कमोडोर **V प्रवीण** AWPS(मुंबई, महाराष्ट्र) द्वारा M/s सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (SPPL), ठाणे (महाराष्ट्र) में लॉन्च किया गया था।

- इस बार्ज में सभी प्रमुख और सहायक उपकरण/प्रणालियाँ स्वदेशी निर्माता से ली गई थीं। यह रक्षा मंत्रालय (**MoD**) की 'मेक इन इंडिया' पहल को पूरा करता है।

प्रमुख बिंदु:

i.बार्ज का निर्माण **ठाणे स्थित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) M/s सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड** द्वारा किया गया था।

ii.इसे प्रासंगिक नौसेना नियमों और भारतीय शिपिंग रजिस्टर (**IRClass**) के विनियमन के तहत बनाया गया था।

iii.बजरे का डिजाइन चरण के दौरान नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (**NSTL**), विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में परीक्षण किया गया था।

iv.ACTCM बार्ज भारतीय नौसेना (IN) को घाटों और बाहरी बंदरगाहों पर मौजूद IN जहाजों पर सामान/गोला-बारूद पहुंचाने, चढ़ाने और उतारने में मदद करते हैं।

पृष्ठभूमि:

i.2021 में, IN ने सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 11 ACTCM नौकाओं के निर्माण के लिए सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

ii.पहले तीन ACTCM बार्ज थे

- यार्ड 125 (LSAM 15) फरवरी 2023 में लॉन्च किया गया
- यार्ड 126 (LSAM 16) जुलाई 2023 में लॉन्च किया गया
- यार्ड 127 (LSAM 17) अक्टूबर 2023 में लॉन्च किया गया

iii.ये नौकाएं **30 साल** की सेवा जीवन के साथ बनाई जा रही हैं।

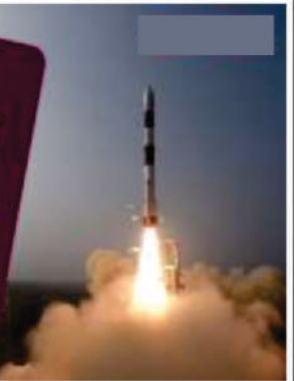


ISRO ने PSLV-C58/XPoSat: स्पेस में ब्लैक होल & न्यूट्रॉन स्टार्स का अध्ययन करने के लिए भारत का पहला X-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट लॉन्च किया

1 जनवरी 2024 को, इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन (ISRO) ने आंध्र प्रदेश (AP) के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन स्पेस सेंटर से पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल (PSLV)-C58 पर भारत का पहला समर्पित पोलारिमीटर मिशन XPoSat (X-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट) लॉन्च किया। PSLV-C58 ने XPOSAT सैटेलाइट को पूर्व की ओर कम झुकाव वाली कक्षा में लॉन्च किया है।

- यह PSLV-C58 का 60वां मिशन था और इसने 260 टन वजन उठाया। गौरतलब है कि यह लॉन्च PSLV-DL संस्करण द्वारा किया गया था। यह PSLV-DL का चौथा मिशन था।
- सैटेलाइट के कम से कम 5 वर्षों तक संचालित होने की उम्मीद है।

ISRO successfully launches its maiden X-ray polarimeter satellite



XPoSAT/PSLV-C58 मिशन के बारे में:

- i. मिशन का उद्देश्य चरम स्थितियों में ब्लैकहोल, न्यूट्रॉन स्टार्स, एक्टिव गैलेक्टिक न्यूक्लेइ, पल्सर विंड नेबुलाए आदि जैसे उज्वल खगोलीय X-रे स्रोतों की विभिन्न गतिशीलता का अध्ययन करना है।
- ii. इसके साथ, भारत हमारी आकाशगंगा में ब्लैक होल और न्यूट्रॉन स्टार्स का अध्ययन करने के लिए एक विशेष खगोल विज्ञान वेधशाला शुरू करने वाला दुनिया का दूसरा देश (संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के बाद) बन गया है।

मिशन का मुख्य आकर्षण:

- i. लॉन्च के बाद, PS4 चरण को स्थिर 350 km गोलाकार कक्षा में कक्षा समायोजन के लिए दो पुनरारंभ से गुजरना पड़ा, जिससे ऑर्बिटल प्लेटफॉर्म (OP) प्रयोगों के लिए एक स्थिर 3-अक्ष मोड सुनिश्चित हुआ।
- ii. इस मिशन में PSLV ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल -3 (POEM-3) शामिल है, जिसका लक्ष्य ISRO और इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑर्थोरिजेशन सेंटर (IN-SPACE) द्वारा योगदान किए गए 10 पेलोड को समायोजित और निष्पादित करना है।
- iii. सैटेलाइट कॉन्फिगरेशन को IMS-2 (स्माल सैटेलाइट बस) बस प्लेटफॉर्म से संशोधित किया गया है।
- iv. मेनफ्रेम सिस्टम कॉन्फिगरेशन IRS (इंडियन रिमोट सेंसिंग) सैटेलाइटों पर आधारित है।

मिशन के लक्ष्य:

- i. ध्रुवीकरण की डिग्री और उसके कोण को मापकर चुंबकीय क्षेत्र के वितरण, ज्यामितीय अनिसोट्रॉपियों, गैलेक्टिक ब्रह्मांडीय X-रे स्रोतों में संरक्षण का अध्ययन करना।
- ii. न्यूट्रॉन स्टार्स के चुंबकीय क्षेत्र की संरचना और ज्यामिति, X-रे बीमिंग तंत्र, और पल्सर चमक और अभिवृद्धि दर के साथ उनका संबंध।
- iii. गैलेक्टिक ब्लैक होल बाइनरी स्रोतों की विस्तृत समझ।
- iv. X-रे के उत्पादन के बारे में अध्ययन और पुष्टि करना या तो न्यूट्रॉन स्टार्स की ध्रुवीय टोपी या पल्सर मैग्नेटोस्फीयर की बाहरी टोपी से होता है।
- v. सुपरनोवा अवशेषों में प्रमुख सिंक्रोट्रॉन और थर्मल उत्सर्जन तंत्र के बीच अंतर करें।

सैटेलाइटों के वैज्ञानिक पेलोड:

यह निम्नलिखित दो वैज्ञानिक पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) में ले गया:

POLIX (पोलारिमीटर इंस्ट्रूमेंट इन X-रे):

यह खगोलीय मूल के 8-30 keV (किलोइलेक्ट्रॉनवोल्ट) फोटॉनों की मध्यम X-रे ऊर्जा रेंज में पोलारिमीट्री मापदंडों (ध्रुवीकरण की डिग्री और कोण) को मापने के लिए एक प्राथमिक पेलोड है। इसे बेंगलुरु स्थित **UR राव सैटेलाइट सेंटर (URSC)** के सहयोग से **रामम रिसर्च इंस्टीट्यूट (RRI)**, बेंगलुरु, कर्नाटक द्वारा विकसित किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- i. POLIX 5-वर्षीय XPoSat मिशन के दौरान 40 चमकीले खगोलीय स्रोतों का अवलोकन करेगा।
- ii. इस उपकरण में एक कोलिमेटर, एक स्कैटरर और स्कैटरर के चारों ओर चार X-रे डिटेक्टर शामिल हैं।
- iii. कम परमाणु द्रव्यमान सामग्री से बना स्कैटरर, ध्रुवीकृत X-रे के अनिसोट्रोपिक थॉमसन स्कैटरिंग को प्रेरित करता है।
- iv. कोलिमेटर दृश्य के क्षेत्र को 3×3-डिग्री तक सीमित करता है, जिससे अधिकांश अवलोकनों के लिए एकल उज्वल स्रोत सुनिश्चित होता है।

XSPECT (X-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड टाइमिंग):

यह XPoSat पर एक X-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड टाइमिंग पेलोड है, जो 0.8-15 keV की ऊर्जा रेंज में स्पेक्ट्रोस्कोपिक जानकारी देगा। इसे URSC के **स्पेस एस्ट्रोनॉमी ग्रुप** द्वारा विकसित किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- i. यह सॉफ्ट X-रे में फास्ट टाइमिंग और अच्छा स्पेक्ट्रोस्कोपिक रिज़ॉल्यूशन प्रदान कर सकता है।
- ii. स्वेष्ट चार्ज डिवाइस (SCD) की एक श्रृंखला 6 keV पर 200 eV से बेहतर ऊर्जा रिज़ॉल्यूशन के साथ 6 keV पर >30cm² प्रभावी क्षेत्र प्रदान करती है।
- iii. निष्क्रिय कोलाइमर का उपयोग XSPECT के दृश्य क्षेत्र को कम करके पृष्ठभूमि को कम करने के लिए किया जाता है।
- iv. XSPECT LMXB (लो-मास X-रे बायनेरिज़), AGN (एक्टिव गैलेक्टिक न्यूक्लियर) और मैग्नेटर्स में X-रे पल्सर, ब्लैकहोल बायनेरिज़, लो-मैग्नेटिक फील्ड न्यूट्रॉन स्टार (NS) जैसे स्रोतों का निरीक्षण करेगा।

अन्य 10 पेलोड:

ये दस वाणिज्यिक प्रयोग पेलोड उपर्युक्त चौथे चरण यानी POEM-3 पर उड़ान भरते हैं। अन्य 10 पेलोड की सूची इस प्रकार है:

पेलोड	प्रयोजन	कंपनी
रेडिएशन शील्डिंग एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल (RSEM)	टैंटलम कोटिंग प्रभावशीलता का मूल्यांकन	TakeMe2Space
वीमेन इंजीनियर सैटेलाइट (WESAT)	सौर विकिरण और UV सूचकांक की तुलना	LBS इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर वीमेन
BeliefSa-t0	एमेच्योर रेडियो सैटेलाइट	K J सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
ग्रीन इंपल्स ट्रांसमिटर (GITA)	ग्रीन बाइप्रोपेलेंट क्यूबसैट प्रोपल्शन यूनिट	इंस्पेसिटी स्पेस लैब्स प्राइवेट लिमिटेड
लॉन्चिंग एक्सपेडिशनस फॉर एस्पिरिंग टेक्नोलॉजीज टेक्नोलॉजी डेमोस्ट्रेटर (LEAP-TD)	माइक्रोसैटेलाइट की उपप्रणालियों का प्रदर्शन	ध्रुव स्पेस प्राइवेट लिमिटेड

RUDRA 0.3 HPGP	ग्रीन मोनोप्रोपेलेंट थ्रस्टर	बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड
ARKA-200	हॉल थ्रस्टर के लिए हीटर रहित खोखला कैथोड	बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड
डस्ट एक्सपेरिमेंट (DEX)	अंतरग्रहीय डस्ट गिनती माप	फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (PRL), ISRO
फ्यूल सेल पावर सिस्टम (FCPS)	फ्यूल सेल का प्रदर्शन	विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (VSSC), ISRO
Si बेसड हाई एनर्जी सेल	सिलिकॉन आधारित उच्च ऊर्जा सेल का प्रदर्शन	VSSC, ISRO

यह मिशन क्यों महत्वपूर्ण है?

ब्लैक होल, न्यूट्रॉन स्टार्स, AGN और पल्सर पवन निहारिका जैसे आकाशीय स्रोतों से उत्सर्जन तंत्र को समझना जटिल है। स्पेस वेधशालाओं के समृद्ध डेटा के बावजूद, इस उत्सर्जन की सटीक प्रकृति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। पोलारिमेट्री, ध्रुवीकरण की डिग्री और कोण को मापती है, अंतर्दृष्टि के लिए महत्वपूर्ण आयाम प्रदान करती है। स्पेक्ट्रोस्कोपी के साथ संयुक्त, पोलारिमेट्रिक अवलोकन खगोलीय उत्सर्जन प्रक्रियाओं में सैद्धांतिक मॉडल अस्पष्टताओं को उजागर करेगा।

हाल के संबंधित समाचार:

i. हैदराबाद (तेलंगाना) में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान (GSATI) ने राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली (NNRMS) कार्यक्रम के हिस्से के रूप में बेंगलुरु (कर्नाटक) में ISRO के साथ 5 साल के समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

ii. अमेज़ॉन वेब सर्विसेज (AWS) इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने क्लाउड कंप्यूटिंग के माध्यम से स्पेस-तकनीकी नवाचारों का समर्थन करने के लिए ISRO और इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑर्थोरिज़ेशन सेंटर (IN-SPACe) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन (ISRO) के बारे में:

अध्यक्ष- श्रीधर पणिक्कर सोमनाथ

मुख्यालय- बेंगलुरु, कर्नाटक

स्थापना- 1969

ISRO का NSIL SpaceX के फाल्कन-9 पर GSAT-N2 सैटेलाइट लॉन्च करेगा

इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन (ISRO) की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) 2024 की दूसरी तिमाही में स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉर्पोरेशन (SpaceX) के फाल्कन -9 रॉकेट पर Ka-बैंड हाई थ्रूपुट सैटेलाइट (HTS) GSAT-20 (नाम बदलकर GSAT-N2) लॉन्च करने के लिए तैयार है।

- सैटेलाइट को लॉन्च करने के लिए SpaceX के साथ ISRO की यह पहली साझेदारी होगी।



GSAT-N2 के बारे में:

i. GSAT-N2 को विशेष रूप से दूरस्थ/असंबद्ध क्षेत्रों की ब्रॉडबैंड, इन-फ्लाइट और मेरीटाइम कनेक्टिविटी (IFMC) और सेलुलर बैकहॉल सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप द्वीप समूह सहित पूरे भारत में कवरेज वाले Ka-Ka बैंड में 32 उपयोगकर्ता बीम प्रदान करता है।

ii. GSAT-N2 का वजन **4700 kg** है, जो लगभग **48** गीगाबाइट प्रति सेकंड (Gpbs) की HTS क्षमता प्रदान करता है।

iii. GSAT-N2 सैटेलाइट का पूर्ण स्वामित्व, संचालन और वित्त पोषण NSIL द्वारा किया जाएगा।

पृष्ठभूमि:

i. NSIL उपयोगकर्ता की सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए "डिमांड-ड्रिवेन मोड" में सैटेलाइट का निर्माण, लॉन्च, स्वामित्व और संचालन करता है।

ii. NSIL ने जून 2022 में पहला डिमांड-ड्रिवेन सैटेलाइट मिशन, GSAT-24 लॉन्च किया, जिसमें GSAT-24 की क्षमता TataPlay द्वारा पूरी तरह से सुरक्षित की गई थी।

iii. इसके अनुरूप, GSAT-N2 NSIL का दूसरा मांग संचालित कम्युनिकेशन सैटेलाइट मिशन है।

फाल्कन 9 रॉकेट के बारे में:

i. फाल्कन 9 एक पुनः प्रयोज्य, दो चरणों वाला रॉकेट है जिसे SpaceX द्वारा पृथ्वी की ऑर्बिट और उससे आगे लोगों और पेलोड के विश्वसनीय और सुरक्षित परिवहन के लिए डिज़ाइन और निर्मित किया गया है। यह दुनिया का पहला कक्षीय ऑर्बिट का पुनः प्रयोज्य रॉकेट है।

ii. 5 जनवरी '24 तक, इसने 286 लॉन्च, 244 लैंडिंग और 218 पुनः उड़ानें भरी हैं।

SpaceX पर भरोसा:

ISRO के लॉन्च वाहनों के बजाय SpaceX पर भरोसा करने का कारण।

i. संचार सैटेलाइट को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) नामक कक्षा में लॉन्च किया जाता है।

ii. जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (GSLV) GTO को केवल 2250 kg वितरित कर सकता है; LVM3 GTO को 4000 kg का पेलोड दे सकता है। जो 4,700 kg के GSAT-N2 पेलोड वजन को सफलतापूर्वक नहीं उठा सकता है।

iii. जबकि SpaceX के फाल्कन 9 की GTO के लिए पेलोड क्षमता **8,300 kg** है।

न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) के बारे में:

न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस (DOS) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत भारत सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है।

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (CMD) – राधाकृष्णन दुरईराज

मुख्यालय – बेंगलुरु, कर्नाटक

शामिल - 2019

ग्लोबलस्पेस टेक्नोलॉजीज ने भारत का पहला एंटी-स्ट्रेस वियरेबल 'GoRoga' लॉन्च किया

नवी मुंबई (महाराष्ट्र) स्थित ग्लोबलस्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने भारत का पहला एंटी-स्ट्रेस वियरेबल 'GoRoga' का अनावरण किया है। यह डिवाइस चिंता को कम करने और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए गैर-आक्रामक मस्तिष्क उत्तेजना (NIBS) तकनीक का उपयोग करता है।

i. डिवाइस का निर्माण और पेटेंट **RogaLife** के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) में किया गया है और **सॉफ्टवेयर 'मेक इन इंडिया'** पहल के तहत **भारत** में विकसित किया गया है।

ii. GoRoga को फोन से कनेक्ट करके और कानों पर चिपचिपे पैड का उपयोग करके कोर्टिसोल (स्टेरॉयड हार्मोन) को सक्रिय करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ISRO ने आदित्य L1 को हेलो ऑर्बिट अराउंड L1 में सफलतापूर्वक स्थापित किया

6 जनवरी 2024 को, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने सूर्य का अध्ययन करने के लिए भारत के पहले अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला-वर्ग सोलर जांच, **आदित्य-L1 अंतरिक्ष यान** को **लैग्रेंजियन पॉइंट 1 (L1)** के चारों ओर की प्रभामंडल ऑर्बिट में इंजेक्ट करने का महत्वपूर्ण पैतरेबाज़ी (अंतिम पैतरेबाज़ी) सफलतापूर्वक किया।

- L1 तक पहुंचने के लिए आदित्य L1 ने **126 दिनों** में लगभग **3.7 मिलियन किलोमीटर** की यात्रा की है।
- यह आदित्य L1 मिशन के कूज़ चरण से ऑर्बिट चरण में संक्रमण का प्रतीक है।



ध्यान देने योग्य बातें:

- i. 63 मिनट और 20 सेकंड की उड़ान अवधि के बाद, आदित्य L1 को पृथ्वी के चारों ओर 235×19500 km की अण्डाकार ऑर्बिट में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया।
- ii. L1 के चारों ओर ऑर्बिट में सैटेलाइट को बिना किसी ग्रहण के लगातार सूर्य को देखने का लाभ मिलेगा।
- iii. इसके बाद, ISRO अंतरिक्ष यान को इच्छित ऑर्बिट में रखने के लिए समय-समय पर युद्धाभ्यास करेगा।

आदित्य L1 मिशन के मील के पत्थर:

लॉन्च:

पोलर सॉर्टेलाइट लांच व्हीकल (PSLV-C57) ने 2 सितंबर 2023 को आंध्र प्रदेश (AP) के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से आदित्य L1 लॉन्च किया।

[आदित्य L1 लॉन्च के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें](#)

पृथ्वी से बंधे पैतरेबाज़ी:

3 से 15 सितंबर 2023 के बीच, बेंगलुरु, कर्नाटक में ISRO टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (ISTRAC) ने **4 पृथ्वी से बंधे युद्धाभ्यास (EBN)** किए हैं।

ट्रांस-लैग्रेंजियन1 प्रविष्टि पैतरेबाज़ी:

- i. 19 सितंबर 2023 को, आदित्य L1 ने ट्रांस-लैग्रेंजियन1 प्रविष्टि पैतरेबाज़ी की, जिसने L1 बिंदु की ओर इसकी 110-दिवसीय प्रक्षेपवक्र यात्रा को चिह्नित किया।
- ii. 30 सितंबर 2023 को, आदित्य L1 ने पृथ्वी से 9.2 लाख km की दूरी तय की और **पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र से बच गया** और L1 की ओर अपनी यात्रा शुरू की।
- iii. 8 अक्टूबर 2023 को, TL11 को ट्रैक करने के बाद मूल्यांकन किए गए प्रक्षेप पथ को सही करने के लिए प्रक्षेप पथ सुधार पैतरेबाज़ी (TCM) का प्रदर्शन किया गया।

मुख्य विशेषताएं:

18 सितंबर 2023 को, सुप्रा थर्मल & एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर (STEPS) उपकरण, जो कि आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (ASPEX) पेलोड का एक हिस्सा है, ने वैज्ञानिक डेटा का संग्रह शुरू किया।
29 अक्टूबर 2023 को, आदित्य L1 बोर्ड पर हाई एनर्जी L1 ऑर्बिटिंग X-रे स्पेक्ट्रोमीटर (HEL1OS) ने सोलर ज्वालाओं के आवेगपूर्ण चरण को रिकॉर्ड किया।

लैग्रेंजियन पॉइंट (L1) के बारे में:

L1, पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन km दूर, पृथ्वी और सूर्य के बीच एक संतुलित गुरुत्वाकर्षण स्थान है। यह पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी (150 मिलियन km) का लगभग 1% है।

लैग्रेजियन पॉइंट:

लैग्रेजियन पॉइंट अंतरिक्ष में विशेष स्थान हैं जहां दो शरीर प्रणालियों के गुरुत्वाकर्षण बल तीव्र आकर्षण और प्रतिकर्षण पैदा करते हैं। इन बिंदुओं को अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यान के लिए "पार्किंग स्थल" के रूप में उपयोग किया जा सकता है ताकि वे एक निश्चित स्थिति में रह सकें और अपनी ईंधन खपत को कम कर सकें।

कुल मिलाकर पाँच लैग्रेज बिंदु हैं, जिन्हें L1, L2, L3, L4 और L5 के रूप में दर्शाया गया है।

आदित्य L1 मिशन के बारे में:

संस्कृत में आदित्य का अर्थ 'सूर्य' है। यह शब्द हिंदू देवता सूर्य को संदर्भित करता है, जिन्हें 'आदित्य' के नाम से भी जाना जाता है।

मधुकोश सैंडविच संरचना वाले घन आकार के सैटेलाइट आदित्य L1 का प्रक्षेपण द्रव्यमान 1475 किलोग्राम है।

आदित्य L1 लिथियम-आयन बैटरी का उपयोग करके संचालित होता है।

आयाम: 89 सेंटीमीटर x 89 cm x 61.5 cm.

लागत: कथित तौर पर सोलर मिशन की लागत लगभग **400 करोड़ रुपये** है।

नोट: आदित्य-L1 मिशन की परिकल्पना जनवरी 2008 में अंतरिक्ष विज्ञान सलाहकार समिति (ADCOS) द्वारा की गई थी।

वैज्ञानिक उद्देश्य:

i. कोरोनाल हीटिंग और सोलर पवन त्वरण के बारे में अध्ययन।

ii. सूर्य से कण गतिशीलता के अध्ययन के लिए डेटा प्रदान करते हुए, इन-सीटू कण और प्लाज्मा वातावरण का निरीक्षण करें।

iii. कोरोनाल मास इजेक्शन (CME), फ्लेयर्स और पृथ्वी के निकट अंतरिक्ष मौसम का विकास, गतिशीलता और उत्पत्ति।

iv. सोलर कोरोना में चुंबकीय क्षेत्र टोपोलॉजी और चुंबकीय क्षेत्र माप।

v. अंतरिक्ष मौसम के लिए चालक (सोलर हवा की उत्पत्ति, संरचना और गतिशीलता)

vi. सोलर वायुमंडल और तापमान अनिसोट्रॉपी की गतिशीलता।

मिशन सोलर कोरोना (सबसे बाहरी परत) का अध्ययन करेगा; प्रकाशमंडल (सूर्य की सतह) और क्रोमोस्फीयर (प्रकाशमंडल और कोरोना के बीच प्लाज्मा की एक पतली परत)।

मिशन निदेशक: निगार शाजी, बेंगलुरु, कर्नाटक में ISRO के हिस्से, UR राव सैटेलाइट सेंटर (URSC) में एक वैज्ञानिक हैं। निगार शाजी तमिलनाडु के तेनकासी की रहने वाली हैं।

आदित्य L1 के पेलोड:

आदित्य L1 विद्युत चुंबकीय और कण डिटेक्टरों का उपयोग करके प्रकाशमंडल, क्रोमोस्फीयर और कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परत) का निरीक्षण करने के लिए 7 पेलोड ले जाता है।

- 4 पेलोड सीधे सूर्य को देखेंगे और 3 पेलोड L1 पर कणों और क्षेत्रों का इन-सीटू अध्ययन करेंगे।
- इन पेलोड को विभिन्न ISRO केंद्रों और वैज्ञानिक संस्थानों के सहयोग से स्वदेशी रूप से विकसित किया गया था।

पेलोड का विवरण:

पेलोड	द्वारा विकसित
विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ (VELC)	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (IIA), बेंगलुरु, कर्नाटक

सोलर लो एनर्जी X-रे स्पेक्ट्रोमीटर (SoLEXS)	U R राव सैटेलाइट सेंटर, बेंगलुरु
प्लाज्मा अनलयासेर पैकेज फॉर आदित्य (PAPA)	अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला (SPL), विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC), तिरुवनंतपुरम, केरल
हाई एनर्जी L1 ऑर्बिटिंग X-रे स्पेक्ट्रोमीटर (HEL10S)	U R राव सैटेलाइट सेंटर, बेंगलुरु
सोलर अल्ट्रा-वायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (SUIT)	इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी & एस्ट्रोफिजिक्स (IUCAA), पुणे, महाराष्ट्र
आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (ASPEX)	भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL), अहमदाबाद, गुजरात
मैग्नेटोमीटर	लेबोरेटरी फॉर इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स सिस्टम, बेंगलुरु

नोट -

7 नवंबर, 2023 को, HEL10S ने सोलर फ्लेयर्स की पहली हाई-एनर्जी X-रे झलक पकड़ी।

L1 पर अन्य परिचालन अंतरिक्ष यान:

L1 पर अन्य 4 परिचालन अंतरिक्ष यान शामिल हैं,

अंतरिक्ष यान	मिशन डिजाइन और प्रबंधन	लॉन्च वर्ष
WIND	नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA)	1994
सोलर एंड हेलिओस्फेरिक ऑब्ज़र्वेटरी (SOHO)	यूरोपीयन स्पेस एजेंसी (ESA) और NASA	1995
एडवांस्ड कंपोज़िशन एक्सप्लोरर (ACE)	NASA	1997
डीप स्पेस क्लाइमेट ऑब्ज़र्वेटरी (DISCOVER)	NASA & नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (NOAA)	2015

हाल के संबंधित समाचार:

i.21 अक्टूबर 2023 को, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने आंध्र प्रदेश (AP) के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से गगनयान की पहली उड़ान परीक्षण वाहन एबॉर्ट मिशन -1 (TV-D1) को सफलतापूर्वक लॉन्च किया।

ii.30 जुलाई 2023 को, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश (AP) में प्रथम लॉन्च पैड (FLP) सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC) से PSLV-C56/DS-SAR मिशन, ध्रुवीय उपग्रह लॉन्च वाहन (PSLV-C56) को सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जिसमें 7 सिंगापुर सैटेलाइट - DS-SAR को प्राथमिक सैटेलाइट के रूप में 6 सैटेलाइटों के साथ ले जाया गया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के बारे में:

ISRO अंतरिक्ष विभाग (DoS) की प्राथमिक अनुसंधान और विकास शाखा के रूप में कार्य करता है।

अध्यक्ष- S. सोमनाथ

मुख्यालय- बेंगलुरु, कर्नाटक

गठन - 1969

NASA ने पांच पेलोड के साथ चंद्रमा पर पेरेग्रीन मिशन वन लॉन्च किया

08 जनवरी 2024 को, नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) ने पेरेग्रीन मिशन वन (PM1) (TO2-AB) पर चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के लिए पांच पेलोड लॉन्च किए। मिशन को यूनाइटेड लॉन्च अलायंस (ULA) के वल्कन सेंटॉर लॉन्च व्हीकल (VC2S) के माध्यम से केप कैनावेरल, फ्लोरिडा, संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) से लॉन्च किया गया था।

- यह कमर्शियल लुनर पेलोड सर्विसेज (CLPS) पहल के तहत NASA का पहला लॉन्च है।
- PM1 किसी अन्य ग्रह पिंड पर उतरने वाला एस्ट्रोबोटिक टेक्नोलॉजी का पहला व्यावसायिक मिशन है।
- भारतीय मूल के शरद भास्करन मिशन के निदेशक हैं।

मिशन के बारे में:

i. 1972 में अपोलो 17 के लॉन्च के बाद यह NASA का पहला लुनर मिशन है।

ii. मिशन का उद्देश्य चंद्रमा पर पानी के अणुओं की पहचान करना, लैंडर के चारों ओर विकिरण और गैसों को मापना; और लुनर बाह्यमंडल का आकलन करना है।

iii. मिशन में एक पेरेग्रीन लुनर लैंडर शामिल है, जो चंद्रमा की सतह पर वैज्ञानिक उपकरण और अन्य पेलोड ले जाता है।

iii. लुनर लैंडर 23 फरवरी 2024 को चंद्रमा पर गुडथुसेन डोम्स के पास एक लुनर सुविधा साइनस विस्कोसिटैटिस (जिसे स्टिकनेस की खाड़ी के रूप में भी जाना जाता है) पर उतरेगा।

iv. कहा जाता है कि यह मिशन लगभग 10 पृथ्वी दिनों के लिए संचालित किया जाएगा।

नोट:

i. पेरेग्रीन एक लघु श्रेणी का लैंडर है जो लुनर ऑर्बिट और लुनर की सतह पर पेलोड पहुंचाता है।

ii. पेलोड को डेक के ऊपर या नीचे, बाड़ों के अंदर या बाहर लगाया जा सकता है, और संलग्न या तैनात किया जा सकता है।

पेलोड:

मिशन के पाँच पेलोड हैं:

- लेजर रेट्रो-रिफ्लेक्टर ऐरे (LRA) - चंद्रमा पर एक स्थायी स्थान मार्कर के रूप में कार्य करता है।
- लीनियर एनर्जी ट्रांसफर स्पेक्ट्रोमीटर (LETS) - लुनर सतह पर विकिरण मॉनिटर की क्षमताओं को प्रदर्शित करता है।
- नियर-इन्फ्रारेड वोलेटाइल स्पेक्ट्रोमीटर सिस्टम (NIRVSS) - लुनर मिट्टी की संरचना का अध्ययन करता है और छिपे हुए खनिजों और वाष्पशील पदार्थों का पता लगाता है।
- पेरेग्रीन आयन-ट्रैप मास स्पेक्ट्रोमीटर (PITMS) - पतले लुनर वातावरण का विश्लेषण करता है और निकलने वाली गैसों & अणुओं का अध्ययन करता है।
- न्यूट्रॉन स्पेक्ट्रोमीटर सिस्टम (NSS) - चंद्रमा की मिट्टी में मौजूद संभावित पानी का पता लगाता है।

CLPS पहल:

i. CLPS पहल के माध्यम से, NASA चंद्रमा की सतह और लुनर ऑर्बिट में विज्ञान, अन्वेषण और प्रौद्योगिकी विकास जांच के लिए एक वाणिज्यिक बाज़ार स्थापित करता है।



ii. यह पहल 2018 में लॉन्च की गई थी।

iii. CLPS के तहत 14 विक्रेता चंद्रमा पर NASA पेलोड ले जाने के लिए पात्र हैं।

नोट -

यूनाइटेड लॉन्च अलायंस (ULA) बोइंग-लॉकहीड मार्टिन का एक उद्यम है।

एस्ट्रोबोटिक प्रौद्योगिकी के बारे में:

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) - जॉन थॉर्नटन

मुख्यालय - पेंसिल्वेनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)

स्थापित - 2008

ISRO ने अंतरिक्ष में फ्यूल सेल बेस्ड पावर सिस्टम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने अंतरिक्ष में इसके संचालन का आकलन करने और भविष्य के मिशनों के लिए सिस्टम के डिजाइन की सुविधा के लिए डेटा एकत्र करने के लिए 100-वाट (W) श्रेणी के पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट मेम्ब्रेन फ्यूल सेल बेस्ड पावर सिस्टम (FCPS) का परीक्षण किया है।

- परीक्षण ISRO के ऑर्बिटल प्लेटफॉर्म, PSLV ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल -3 (POEM3) में किया गया था, जिसे 1 जनवरी 2024 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (PSLV)-C58 पर लॉन्च किया गया था।

परिक्षण:

i. FCPS एक विद्युत जनरेटर है जो विद्युत रासायनिक सिद्धांतों पर काम करता है।

ii. FCPS के परीक्षण के दौरान, उच्च दबाव वाले जहाजों में संग्रहीत हाइड्रोजन (H₂) और ऑक्सीजन (O₂) गैसों से 180 W पावर उत्पन्न की गई थी।

iii. ये दोनों गैसों प्रतिक्रिया करके बिजली, पानी और थोड़ी मात्रा में गर्मी पैदा करती हैं।

ISRO को लाभ:

i. फ्यूल सेल अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आदर्श पावर स्रोत है क्योंकि यह पावर और शुद्ध पानी दोनों प्रदान करता है।

ii. फ्यूल सेल भी उत्सर्जन-मुक्त हैं।

POEM3 के बारे में:

i. POEM3 एक कम लागत वाला, गैर-मानवीय भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन है।

ii. यह PSLV-C58 के चौथे चरण को कक्षा में प्रयोगों के संचालन के लिए एक स्थिर प्लेटफॉर्म में पुनः उपयोग करता है।

- PSLV-C58 के लॉन्च के लिए रॉकेट के चौथे चरण का उपयोग किया गया था।

iii. POEM3 का लक्ष्य लाल बहादुर शास्त्री इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर वीमेन, त्रिवेन्द्रम (केरल) द्वारा निर्मित 'वीमेन इंजीनियर सैटेलाइट' (WESAT) के परीक्षण सहित 10 प्रयोग करना है।

अतिरिक्त जानकारी:

फ्यूल सेल का चार्ज खत्म नहीं होता है और उन्हें बिजली से रिचार्ज करने की आवश्यकता नहीं होती है। वे तब तक बिजली का उत्पादन करते रहते हैं जब तक हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की आपूर्ति बनी रहती है।



VSSC ने Si-ग्रेफाइट एनोड-बेस्ड लिथियम-आयन सेल्स का परीक्षण किया

ISRO के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) ने अंतरिक्ष वातावरण में जीवित रहने और प्रदर्शन करने के लिए एनोड की क्षमता का आकलन करने के लिए POEM3 प्रयोग के माध्यम से 10 एम्पीयर आवर (Ah) सिलिकॉन (Si)-ग्रेफाइट एनोड बेस्ड उच्च ऊर्जा घनत्व लिथियम (Li)-आयन सेल्स का परीक्षण किया है। **सेल के बारे में:**

i. Si-ग्रेफाइट एनोड-बेस्ड सेल अधिक Li-आयनों को समायोजित कर सकती हैं जिससे सेल की ऊर्जा घनत्व 4.2 से 2.8 V के ऑपरेटिंग वोल्टेज (V) के साथ 190 वाट-घंटा (Wh)/kg तक बढ़ जाती है।

ii. सेल आसानी से उपलब्ध सामग्रियों और एक क्रिम्ड सीलिंग डिज़ाइन का भी उपयोग करता है जो हार्डवेयर और निर्माण लागत को कम करता है।

iii. ये सेल मौजूदा Li-आयन सेल्स के कम वजन वाले और कम लागत वाले विकल्प हैं।

iv. परीक्षण के दौरान, बैटरी सिस्टम ने 15 कक्षाओं में 21 घंटे तक काम किया और 0.4V के अंतिम ड्रेन वोल्टेज के साथ 8.9 एम्पीयर आवर (Ah) की क्षमता का उत्पादन किया।

v. Si-ग्रेफाइट एनोड सेल भी बैटरी के द्रव्यमान को 35-40% तक कम कर सकते हैं।

vi. यद्यपि सेल का परीक्षण अंतरिक्ष अनुप्रयोग के लिए किया गया था, इसका उपयोग जमीन पर भी किया जा सकता है।

अतिरिक्त जानकारी:

i. बैटरी के बारे में जानकारी जैसे ऑन-ऑर्बिट वोल्टेज, करंट और टेंपरेचर मान टेलीमेट्री के माध्यम से प्राप्त किए गए थे।

ii. एक पारंपरिक Li-आयन सेल एनोड सामग्री के रूप में शुद्ध ग्रेफाइट का उपयोग करता है जो 157 Wh/kg की ऊर्जा उत्पन्न कर सकता है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के बारे में:

अध्यक्ष - श्रीधर पणिकर सोमनाथ

मुख्यालय - बेंगलुरु, कर्नाटक

स्थापना - 1969

चीन के ओरियनस्पेस ने अपना पहला रॉकेट ग्रेविटी-1 लॉन्च किया

चीनी अंतरिक्ष स्टार्टअप फर्म ओरियनस्पेस ने चीन के पूर्वी शेडोंग प्रांत में हैयांग (पीला सागर) के तट पर मोबाइल सी प्लेटफॉर्म डेफू-15002 से अपना पहला रॉकेट ग्रेविटी-1 (यिनली-1) लॉन्च किया है।

- ग्रेविटी-1 तीन यून्याओ-1 मौसम सैटेलाइट्स को 500 km कम पृथ्वी की कक्षा (LEO) तक ले गया।

ग्रेविटी-1 रॉकेट के बारे में:

i. ग्रेविटी-1 एक तीन चरणों वाला ठोस ईंधन से चलने वाला रॉकेट है जो LEO में 6,500 kg तक का पेलोड और सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में 4200 kg तक का पेलोड ले जा सकता है, जो इसे एक निजी चीनी उद्यम द्वारा विकसित सबसे शक्तिशाली लॉन्च वाहन बनाता है।

- मध्यम आकार का रॉकेट 30 मीटर ऊंचा है, और इसके मुख्य चरण और बूस्टर 2.65 मीटर व्यास के हैं।
- ग्रेविटी-1 में एक ही लॉन्च में 30 सैटेलाइट्स को तैनात करने की क्षमता है।

ii. लॉन्च के माध्यम से तैनात सैटेलाइट्स का निर्माण चांगगुआंग सैटेलाइट टेक्नोलॉजी (एक चीनी राज्य के स्वामित्व वाला उद्यम) द्वारा किया गया था और मौसम संबंधी विश्लेषण और पूर्वानुमान, स्थानिक पर्यावरण का पता लगाने और जमीनी आपदा अनुसंधान और रोकथाम के लिए तियानजिन युन्याओ एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित किया जाएगा।



iii.ओरियनस्पेस के ग्रेविटी-1 के सफल प्रक्षेपण ने उन्हें आई-स्पेस, गैलेक्टिक एनर्जी, स्पेस पायनियर और लैंडस्पेस के बाद अपने स्वयं के वाहक रॉकेट संचालित करने वाली पांचवीं निजी चीनी कंपनी के रूप में स्थापित किया है।

iv.यह मिशन चीन में नौवां समुद्र आधारित रॉकेट प्रक्षेपण है।

मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज ने जापान के IGS को ले जाने वाला H-IIA रॉकेट लॉन्च किया

मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 12 जनवरी 2024 को जापान के तनेगाशिमा स्पेस सेंटर (TNSC) से जापान के कैबिनेट सैटेलाइट इंफॉर्मेशन सेंटर के सूचना-एकत्रीकरण उपग्रह (IGS) "ऑप्टिकल-8" को 500 किलोमीटर ऊंचाई वाले सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा (SSO) में ले जाने वाले H-IIA रॉकेट को लॉन्च किया है।

- 2001 में जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) द्वारा विकसित किए जाने के बाद से यह H-IIA लॉन्च वाहन से 48वां लॉन्च था।
- IGS उपग्रह जापान की राष्ट्रीय रक्षा और नागरिक प्राकृतिक आपदा निगरानी दोनों की सेवा करते हैं और रात में और खराब मौसम में उच्च-रिज़ॉल्यूशन छवियां कैप्चर करते हैं।
- जापान ने दो और लॉन्च के बाद H-IIA को रिटायर करने और इसे H3 रॉकेट से बदलने की योजना बनाई है।

CAS ने वायलेंट कॉस्मिक फेनोमेना का निरीक्षण करने के लिए 'आइंस्टीन प्रोब' सैटेलाइट लॉन्च किया

चीनी विज्ञान अकादमी (CAS) ने 9 जनवरी 2024 को चीन के दक्षिण पश्चिम सिचुआन प्रांत में ज़िचांग सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से चांग झेंग (लॉन्ग मार्च) 2C वाहक रॉकेट पर वायलेंट कॉस्मिक फेनोमेना का निरीक्षण करने के लिए कमल के आकार का खगोलीय सैटेलाइट आइंस्टीन जांच (EP) लॉन्च किया।

आइंस्टीन जांच सैटेलाइट के बारे में:

i.आइंस्टीन जांच CAS के नेतृत्व में यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ESA) और मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल फिजिक्स (MPE), जर्मनी के साथ एक सहयोग है।

ii.कमल के आकार के सैटेलाइट में बारह पंखुड़ियाँ और दो पुंकेसर हैं, जहाँ बारह पंखुड़ियाँ वाइड-फील्ड X-रे टेलीस्कोप (WXT) से युक्त बारह मॉड्यूल हैं, और दो "पुंकेसर" में फॉलो-अप X-रे टेलीस्कोप (FXT) के दो मॉड्यूल शामिल हैं।

- सैटेलाइट का वजन 1.45 टन है और WXT के प्रकाशिकी का डिज़ाइन लॉबस्टर की आंखों से प्रेरित है।

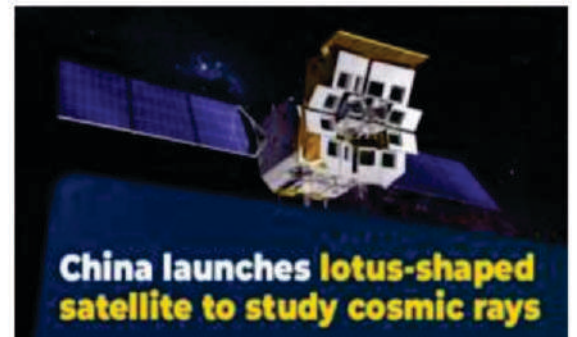
iii.वाइड-फील्ड X-रे टेलीस्कोप (12 मॉड्यूल) एक नज़र में पूरे आकाश के दसवें हिस्से पर नज़र रख सकते हैं।

iv.FXT में तेजी से फॉलो-अप अवलोकन के लिए उच्च संवेदनशीलता है और यह स्वतंत्र रूप से विस्फोटक और क्षणिक स्रोतों की खोज करने में भी सक्षम है।

v.सैटेलाइट निम्नलिखित तरीकों से मदद करेगा:

- सुपरनोवा विस्फोटों से उत्पन्न होने वाले पहले प्रकाश को पकड़ने।
- गुरुत्वाकर्षण तरंग घटनाओं के साथ आने वाले X-रे संकेतों की खोज करना और उनका पता लगाना।
- ब्रह्मांड के सुदूर इलाकों में सुप्त ब्लैक होल और अन्य धुंधले, क्षणिक और परिवर्तनशील खगोलीय पिंडों की खोज करना।

vi.न्यूट्रॉन स्टार्स, सफेद बौने, सुपरनोवा और गामा-रे विस्फोट भी इस मिशन के लिए अवलोकन लक्ष्य हैं।



कार्यरत:

i. जब WXT एक क्षणिक स्रोत से X-रे सिग्नल प्राप्त करता है, तो ऑनबोर्ड कंप्यूटर वास्तविक समय में डेटा को संसाधित करेगा और हाई-प्रिसिशन फॉलो-अप के लिए FXT के साथ आकाशीय पिंड को लक्षित करने के लिए स्पेस यान को चालू करेगा।

ii. पूरे मिशन के लिए स्पेसक्राफ्ट से डेटा डाउनलोड करने के लिए ESA के ग्राउंड स्टेशनों का उपयोग किया जाएगा।

नामकरण का कारण:

सॉर्टलाइट का नाम **अल्बर्ट आइंस्टीन** के नाम पर रखा गया है क्योंकि ब्लैक होल और गुरुत्वाकर्षण तरंगों आइंस्टीन के सामान्य सापेक्षता सिद्धांत द्वारा की गई भविष्यवाणियां हैं।

BHISHM, 25T BP टग, पश्चिम बंगाल में टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड में लॉन्च किया गया

14 जनवरी 2024 को, कमोडोर एस श्रीकुमार, युद्धपोत उत्पादन अधीक्षक (कोलकाता, पश्चिम बंगाल) ने कोलकाता में M/s टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (TRSL) में **भीष्म** नाम से **25T बोलाड पुल (BP) टग** लॉन्च किया।

- टग को इंडियन शिपिंग रजिस्टर (IRS) के वर्गीकरण नियमों के तहत बनाया गया था।
- लॉन्च के साथ, TRSL के साथ छह 25T BP टग के निर्माण और वितरण का अनुबंध संपन्न हुआ।
- यह टग सीमित पानी में बर्थिंग और अन-बर्थिंग, मोड़ और पैतरेबाज़ी के दौरान नौसेना के जहाजों और पनडुब्बियों को सहायता की सुविधा प्रदान करके भारतीय नौसेना (IN) की परिचालन प्रतिबद्धताओं में सुधार करेगा।
- यह जहाजों को आग बुझाने में सहायता भी प्रदान करेगा और सीमित खोज और बचाव अभियान चलाने की क्षमता भी रखेगा।

स्वीडिश शोधकर्ताओं ने हाइड्रोपोनिक्स के लिए इलेक्ट्रॉनिक साइल विकसित किया

स्वीडन के **लिंगोपिंग विश्वविद्यालय** के शोधकर्ताओं ने इलेक्ट्रॉनिक साइल (e-साइल) नामक एक विद्युत प्रवाहकीय वृद्धि माध्यम विकसित किया है, जिसका उपयोग साइल-रहित बागवानी या **हाइड्रोपोनिक्स** में किया जाता है।

- e-साइल पर अध्ययन नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (NAS) की एक सहकर्मी समीक्षा पत्रिका, प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (PNAS) में प्रकाशित हुआ था।

eसाइल:

i. eसाइल विद्युत रूप से पौधों की जड़ प्रणाली और वृद्धि के वातावरण को उत्तेजित करती है।

ii. एक कार्बनिक मिश्रित-आयनिक इलेक्ट्रॉनिक कंडक्टर का उपयोग करके, e-साइल हाइड्रोपोनिक्स में आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले खनिज ऊन सबस्ट्रेट की सीमाओं को पार कर जाती है।

iii. यह पर्यावरण के अनुकूल सबस्ट्रेट सेल्युलोज और **पॉली (3,4-एथिलीनडाइऑक्सीथियोफीन) (PEDOT)** नामक एक प्रवाहकीय बहुलक से प्राप्त होता है।

ISRO ने मछुआरों के लिए सेकंड-जनरेशन डिस्ट्रेस अलर्ट ट्रांसमीटर विकसित किया

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने मछली पकड़ने वाली नौकाओं से आपातकालीन संदेश भेजने के लिए समुद्र में मछुआरों के लिए 'डिस्ट्रेस अलर्ट ट्रांसमीटर - सेकंड जनरेशन' (DAT-SG) सफलतापूर्वक विकसित किया है।

- DAT-SG का उद्घाटन अंतरिक्ष विभाग (DOS) के सचिव & ISRO के **अध्यक्ष श्रीधर पनिकर सोमनाथ** ने बेंगलुरु, कर्नाटक में भारतीय तटरक्षक बल (ICG) के महानिदेशक राकेश पाल की उपस्थिति में किया।

कार्यचालन:

- i. DAT-SG संचार उपग्रह के माध्यम से बेंगलुरु में भारतीय मिशन नियंत्रण केंद्र (INMCC) को डिस्ट्रेस मेससेज (24x7) पहुंचाता है।
- ii. यह जानकारी तब ICG के तहत खोज और बचाव कार्यों के लिए समुद्री बचाव समन्वय केंद्रों (MRCC) को भेज दी जाती है।
- iii. DAT-SG मछुआरों को संभावित मत्स्यन क्षेत्रों (PFZ) के बारे में भी सूचना प्रदान करता है।
- iv. DAT 2010 से चालू है और आज तक 20000 से अधिक DAT तैनात किए गए हैं।

SpaceX ने एक्सओम स्पेस Ax-3 मिशन लॉन्च किया; प्रथम तुर्की एस्ट्रोनॉट को स्पेस में लॉन्च किया गया

18 जनवरी 2024 को, स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉर्पोरेशन (SpaceX) का फाल्कन 9 रॉकेट ने संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के फ्लोरिडा में नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) के कैनेडी स्पेस सेंटर में लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39A (LC-39A) से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) को एक्सओम स्पेस के एक्सओम मिशन 3 (Ax-3) लॉन्च किया।

- मिशन में SpaceX के ड्रैगन 'फ्रीडम' स्पेसक्राफ्ट पर सवार स्पेन, इटली और स्वीडन का प्रतिनिधित्व करने वाले चालक दल के सदस्यों के साथ तुर्की के पहले एस्ट्रोनॉट, अल्पर गेज़ेरवेसी शामिल थे।

चालक दल के सदस्यों:

कमांडर- USA और स्पेन के माइकल लोपेज़-एलेग्रिया (एक्सओम स्पेस के मुख्य एस्ट्रोनॉट)

पायलट- इतालवी वायु सेना के वाल्टर विलादेई

मिशन विशेषज्ञ- तुर्की के अल्पर गेज़ेरवेसी और स्वीडन के मार्कस वांड्ट और यूरोपीयन स्पेस एजेंसी (ESA)।

नोट: 3 कक्षीय मिशन में से Ax-3 पहला है।

Ax-3 के बारे में:

i. यह ह्यूस्टन (USA) स्थित कंपनी एक्सओम स्पेस का तीसरा निजी एस्ट्रोनॉट मिशन है।

ii. यह ISS के लिए पहला आल-यूरोपीयन कमर्शियल एस्ट्रोनॉट मिशन भी है।

iii. यह मिशन ESA-प्रायोजित नेशनल एस्ट्रोनॉट (मार्कस वांड्ट) को शामिल करने वाला पहला कमर्शियल एस्ट्रोनॉट मिशन भी है।

अतिरिक्त जानकारी:

i. माइकल लोपेज़-एलेग्रिया, NASA के पूर्व एस्ट्रोनॉट, एक्सओम मिशन 1 (Ax-1) के कमांडर थे, जो ISS के लिए पहला निजी एस्ट्रोनॉट मिशन था।

ii. Ax-3 दल निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेगा और उच्च नेशनल महत्व के वैज्ञानिक प्रयोग और प्रदर्शन करेगा।

iii. यह फ्रीडम की तीसरी उड़ान और फाल्कन 9 बूस्टर की 5वीं उड़ान का प्रतीक है। इससे पहले फ्रीडम अप्रैल 2022 में Ax-1 और मई 2023 में Ax-2 के लिए दो बार स्पेस में उड़ान भर चुकी है।

प्रमुख बिंदु:

i. स्पेस में पहुंचने पर, Ax-3 एस्ट्रोनॉट कक्षीय प्रयोगशाला के एकीकृत निवासियों के रूप में काम करते हुए, माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान और विज्ञान का संचालन करते हुए लगभग 2 सप्ताह बिताएंगे।

ii. Ax-3 चालक दल द्वारा किए गए प्रयोगों में भौतिकी, मानव स्वास्थ्य और बाहरी स्पेस चिकित्सा की जांच शामिल होगी।

स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉर्पोरेशन (SpaceX) के बारे में:



अध्यक्ष & मुख्य परिचालन अधिकारी (COO)- ग्वेने शॉटवेल
संस्थापक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) & मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (CTO)- एलोन मस्क
मुख्यालय- हॉथोर्न, कैलिफोर्निया, USA
स्थापित- 2002

MoS अजय भट्ट ने IAF को आपूर्ति के लिए स्वदेशी अस्त्र मिसाइलों को हरी झंडी दिखाई

रक्षा मंत्रालय (MoD) के राज्य मंत्री (MoS) अजय भट्ट ने भारतीय वायु सेना (IAF) को आपूर्ति के लिए स्वदेशी रूप से विकसित और निर्मित **अस्त्र मिसाइलों** को हरी झंडी दिखाई।

कार्यक्रम के बारे में:

i. झंडी दिखाई समारोह हैदराबाद, तेलंगाना में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) की कंचनबाग इकाई में आयोजित किया गया था।

ii. इस कार्यक्रम में BDL के अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक (CMD), कमोडोर A माधवराव (सेवानिवृत्त) ने भाग लिया।

अस्त्र मिसाइलें:

i. अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल (AAM) सिस्टम की एक बियॉन्ड विशुअल रेंज (BVR) श्रेणी है।

ii. अस्त्र को लड़ाकू विमानों पर स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

iii. इसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित और BDL द्वारा निर्मित किया गया था।

iv. मिसाइल को अत्यधिक युद्धाभ्यास वाले सुपरसोनिक विमानों को शामिल करने और नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

v. सुखोई SU-30MKI विमान के साथ एकीकृत ASTRA Mk-I वेपन सिस्टम को IAF में शामिल किया गया।

vi. विशिष्टता:

- रेंज - 80 - 110 km
- ऊंचाई - 20 km तक
- अधिकतम गति - मैक 4.5
- लंबाई - 3840 mm

भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) के बारे में:

अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक (CMD) - कमोडोर A माधवराव (सेवानिवृत्त)

मुख्यालय - हैदराबाद, तेलंगाना

स्थापना - 1970

उत्तर कोरिया ने अंडरवाटर न्यूक्लियर वेपन सिस्टम 'हेइल-5-23' का परीक्षण किया

उत्तर कोरियाई रक्षा मंत्रालय के थिंक टैंक ने **पूर्वी सागर**, जिसे जापान सागर भी कहा जाता है, में न्यूक्लियर-कैंपबले अंडरवाटर अटैक ड्रोन 'हेइल-5-23' (मतलब सुनामी) का परीक्षण किया है।

- अंडरवाटर ड्रोन 'हेइल-1' का पहली बार परीक्षण मार्च 2023 में किया गया था।
- हेइल-5-23, अनमैड अंडरवाटर व्हीकल (UUV) पानी के नीचे विस्फोट करके एक बड़ी रेडियोधर्मी लहर बनाकर हमला करता है।
- यह परीक्षण दक्षिण कोरिया, संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) और जापान की नौसेनाओं द्वारा आयोजित तीन दिवसीय संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में आयोजित किया गया था।

ईरान के IRGC ने क्यूएम 100 सैटेलाइट कैरियर द्वारा सोरय्या सैटेलाइट लॉन्च किया

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने IRGC एयरोस्पेस फोर्स द्वारा विकसित तीन-चरण ठोस-ईंधन क्यूएम 100 सैटेलाइट व्हीकल का उपयोग करके सोरय्या सैटेलाइट लॉन्च किया है। ईरान ने पहली बार पृथ्वी की सतह से लगभग 750 किलोमीटर (460 मील) की ऊंचाई पर एक सैटेलाइट लॉन्च किया।

- सैटेलाइट को ईरान के शाहरूद के बाहरी इलाके में IRGC के मोबाइल लॉन्च पैड से लॉन्च किया गया था।

प्रमुख लोग: सैटेलाइट को IRGC के कमांडर मेजर जनरल होसैन सलामी; ईरानी अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख हसन सलारिह; IRGC एयरोस्पेस फोर्स के कमांडर अमीर अली हाजीजादेह की उपस्थिति में लॉन्च किया गया था।

मुख्य बिंदु:

i. सोरय्या एक अनुसंधान सैटेलाइट है जिसका वजन लगभग 50 किलोग्राम (110 पाउंड) है।

ii. यह विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित है जिनका उपयोग मौसम के पैटर्न, पृथ्वी के संसाधनों और पर्यावरण सहित अंतरिक्ष के विभिन्न पहलुओं पर डेटा इकट्ठा करने के लिए किया जाएगा।

नोट: क्यूएम 100 सैटेलाइट वाहक की अधिकतम पेलोड क्षमता 80 किलोग्राम (176.37 पाउंड) है।

ईरान के बारे में:

राष्ट्रपति - इब्राहिम रायसी

राजधानी - तेहरान

मुद्रा - ईरानी रियाल

JAXA ने SLIM को लूनर सरफेस पर सफलतापूर्वक उतारा; जापान मून पर उतरने वाला 5वां देश बन गया

20 जनवरी 2024 को, जापानी राष्ट्रीय वायु और अंतरिक्ष एजेंसी, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) ने शियोली क्रेटर के रिम पर अपने लक्ष्य स्थल के 330 फीट (100 मीटर) के भीतर स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून (SLIM) को सफलतापूर्वक उतारा।

- इसके साथ ही जापान संयुक्त राज्य अमेरिका (USA), रूस, चीन और भारत के बाद लूनर सरफेस पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला 5वां देश बन गया।

नोट: शियोली, एक छोटा लूनर इम्पैक्ट क्रेटर जो बहुत बड़े साइरिलस क्रेटर के भीतर स्थित है, भूमध्यरेखीय क्षेत्र में मून के निकट स्थित है।

SLIM का विवरण:

लॉन्च:

i. 7 सितंबर 2023 को JAXA तनेगाशिमा स्पेस सेंटर, कागोशिमा, जापान से H-IIA लॉन्च व्हीकल नंबर 47 (H-IIA F47) पर SLIM जांच उपनाम "मून स्नाइपर" लॉन्च किया गया था।

ii. SLIM को X-रे इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी मिशन (XRISM) के साथ लॉन्च किया गया था।

SLIM के बारे में:

SLIM लैंडर का लक्ष्य एक छोटे पैमाने और हल्के वजन की जांच प्रणाली को प्राप्त करना है।

मिशन उद्देश्य:

i. एक छोटे एक्सप्लोरर में सन्निहित सटीक 'पिन-पॉइंट' लूनर लैंडिंग तकनीकों का प्रदर्शन करना।

ii. मून के अध्ययन में तेजी लाना और अन्य ग्रह हल्के अन्वेषण प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं।

सौर पैनल झटका:

i. लैंडिंग के बाद, SLIM के सौर पैनल बिजली उत्पन्न करने में विफल रहे और केवल बैटरी पर काम करते प्रतीत हुए, जिससे इसकी परिचालन समय सीमा कुछ घंटों तक सीमित हो गई।



ii. बैटरी पर काम करना गैर-कार्यात्मक सौर पैनलों के कारण, SLIM हीटर बंद करके ऊर्जा बचाता है।

SLIM की विशेषताएं:

i. यह एक कम लागत वाला लैंडर है जिसका वजन केवल 700 किलोग्राम है। लॉन्च के समय इसका वजन 1,500 पाउंड से अधिक था।

ii. इसे मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक द्वारा असेंबल किया गया था, जिसने SLIM के कंप्यूटर, लैंडिंग रडार और ट्रांसपोंडर की आपूर्ति भी की थी।

iii. SLIM ने लैंडिंग से ठीक पहले लैंडर से 2 छोटे अपरंपरागत रोवर्स को सफलतापूर्वक तैनात किया। वे लूनर एक्सकर्सन व्हीकल -1 (LEV-1) और लूनर एक्सकर्सन व्हीकल-2 (LEV-2) हैं।

- LEV-1 एक हॉपिंग तंत्र का उपयोग करता है और ढलान और ऊंचाई को मापने के लिए एक थर्मामीटर, विकिरण मॉनिटर और एक उपकरण रखता है।
- LEV-2 एक गोलाकार, बेसबॉल के आकार का रोवर है, जो बैटरी खत्म होने तक सतह की खोज के लिए 2 हिस्सों में विभाजित हो जाता है।
- JAXA ने इस रोवर को दोशीशा यूनिवर्सिटी और जापान की खिलौना कंपनी टॉमी कंपनी लिमिटेड के सहयोग से विकसित किया है।

नोट: SLIM को सितंबर 2023 में मित्सुबिशी हेवी H2A रॉकेट पर लॉन्च किया गया था। इसने शुरुआत में पृथ्वी की परिक्रमा की और 25 दिसंबर 2023 को चंद्र कक्षा में प्रवेश किया।

जापान के बारे में:

राजधानी- टोक्यो

प्रधान मंत्री- फुमियो किशिदा

मुद्रा- जापानी येन (JPY)

NASA ने X-59 क्वयट सुपरसोनिक जेट का अनावरण किया जिसे 'सन ऑफ कॉनकॉर्ड' के नाम से जाना जाता है

नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) और वैश्विक एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने X-59 क्वयट सुपरसोनिक जेट का अनावरण किया, जो एक अनोखा प्रायोगिक विमान है जिसे 'सन ऑफ कॉनकॉर्ड' के नाम से जाना जाता है।

i. X-59 सुपरसोनिक जेट को संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के कैलिफोर्निया के पामडेल में लॉकहीड मार्टिन की स्कंक वर्क्स फैसिलिटी में प्रदर्शित किया गया।

ii. X-59 NASA के क्वाइट सुपरसोनिक टेक्नोलॉजी (QueSST) मिशन के केंद्र में है, जिसका उद्देश्य तेज सोनिक बूम के बिना एक सौम्य "सोनिक थंप" उत्पन्न करते हुए सुपरसोनिक उड़ान भरने की क्षमता प्रदर्शित करना है।

X-59 के बारे में:

गति: X-59 के 925 मील प्रति घंटा (mph) या 1,489 किलोमीटर/घंटा (kmph) या ध्वनि की गति से 1.4 गुना (समुद्र तल पर लगभग 768 मील प्रति घंटा (1,236 kmph)) की गति से उड़ने की उम्मीद है।

विशेषताएँ:

i. X-59 विमान 99.7 फीट लंबा होने का अनुमान है, इसके पंखों का फैलाव 29.5 फीट है जो जेट के मैक 1 से गुजरने पर सोनिक बूम को कम कर देता है।



ii. यह एक एकल पायलट को समायोजित करता है और जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के F414 इंजन द्वारा संचालित होता है, जिसे ध्वनि की गति से 1.5 गुना तक पहुंचने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

iii. इसके v-आकार के पंख और विस्तारित नाक को ध्वनि की तीव्रता को नगण्य तक सीमित करने के लिए इंजीनियर किया गया है।

iv. X-59 मॉडल एक मॉडरेटर पर निर्मित होता है जिसे लॉन्ग-लो-लॉन्ग/लो-बूम फ़्लाइट डेमोस्ट्रेटर (LBFD) कॉन्फ़िगरेशन के रूप में जाना जाता है।

v. जेट का कॉकपिट विमान की लंबाई से लगभग आधा नीचे स्थित होता है जिसमें एक **eXternal विजन सिस्टम** होता है, जो आगे की ओर वाली खिड़की के बजाय कॉकपिट में 4K मॉनिटर को फीड करने वाले हाई-रिज़ॉल्यूशन कैमरों की एक श्रृंखला होती है।

फ़ायदे:

i. X-59 का उपयोग विमान के अद्वितीय डिज़ाइन द्वारा उत्पन्न क्वेट सोनिक बूम की स्वीकार्यता पर सामुदायिक प्रतिक्रिया डेटा एकत्र करने के लिए किया जाएगा।

- NASA USA और अंतरराष्ट्रीय नियामकों को मौजूदा नियमों को संभावित रूप से समायोजित करने के लिए डेटा प्रदान करेगा जो जमीन पर वाणिज्यिक सुपरसोनिक उड़ान को प्रतिबंधित करते हैं।

ii. सुपरसोनिक उड़ान के कुछ अनुप्रयोगों में तीव्र चिकित्सा प्रतिक्रिया, कम शिपिंग समय और, तेज़ यात्रा शामिल हैं।

ध्यान देने योग्य बातें:

i. 1976 में लॉन्च किया गया कॉनकॉर्ड विमान 1,350 mph तक उड़ सकता था और 2000 में एक घातक दुर्घटना के बाद सेवानिवृत्त हो गया था।

ii. 7 फरवरी 1996 को कॉनकॉर्ड ने लंदन से न्यूयॉर्क तक की यात्रा केवल 2 घंटे, 52 मिनट और 59 सेकंड में पूरी की।

- ट्रांसाटलांटिक उड़ान को पूरा करने वाले सबसे तेज़ नागरिक विमान का रिकॉर्ड अभी भी इसके पास है।

iii. USA ने आबादी वाले क्षेत्रों में सोनिक बूम के बारे में सार्वजनिक चिंता के कारण 1973 में गैर-सैन्य विमानों के लिए जमीन पर सुपरसोनिक यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया।

नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) के बारे में:

एडमिनिस्ट्रेटर- बिल नेल्सन

मुख्यालय- वाशिंगटन, D.C., USA

स्थापित - 1958

CoRover.ai ने भारत का पहला स्वदेशी GenAI 'BharatGPT' लॉन्च किया

CoRover प्राइवेट लिमिटेड (**CoRover.ai**) ने भारत का पहला स्वदेशी जेनरेटिव AI (GenAI) लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) लॉन्च किया, जिसे **BharatGPT** (जेनरेटिव प्री-ट्रेंड ट्रांसफॉर्मर) कहा जाता है।

- यह एकमात्र भारतीय स्वदेशी GenAI प्लेटफॉर्म है जो जेनरेटिव वीडियो, वॉइस & टेक्स्ट के साथ 14+ भारतीय लैंग्वेजेस में चैनलों पर उपलब्ध है।

नोट: बेंगलुरु, कर्नाटक स्थित CoRover दुनिया का पहला और सबसे अधिक रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (ROI) है जो ह्यूमन-सेंट्रिक कन्वर्सेशनल और जेनरेटिव AI प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

BharatGPT के बारे में:

i. BharatGPT को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत एक नेशनल लैंग्वेज ट्रांसलेशन मिशन (NLTM)



BHASHINI (BASHa INterface फॉर इंडिया) के साथ साझेदारी में 14 से अधिक भारतीय लैंग्वेजेस और 22 लैंग्वेजेस में टेक्स्ट मोडैलिटी के लिए एकीकृत किया गया है।

ii.CoRover ने डेटा संप्रभुता, गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गूगल CloudPlatform (GCP) पर BharatGPT होस्ट करने के लिए गूगल के साथ साझेदारी की है।

iii.संगठनों को गूगल की AI सेवाओं का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए, CoRover के कन्वर्सेशनल AI प्लेटफॉर्म को वर्टेक्स AI के साथ एकीकृत किया गया है।

अतिरिक्त जानकारी: BharatGPT CoRover.ai और I-HUB अनुभूति- IIIITD फाउंडेशन, इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी दिल्ली (IIITD) का तकनीकी केंद्र का एक सहयोगात्मक प्रयास है।

ध्यान देने योग्य बातें:

i.वर्तमान में, CoRover भारत सरकार के लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन (LIC), मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, महिंद्रा जैसे संगठनों को AI वर्चुअल असिस्टेंट (चैटबॉट्स, वॉयसबॉट्स, वीडियोबॉट्स) प्रदान करता है।

ii.CoRover में नो योर कस्टमर (KYC) के लिए भुगतान गेटवे और आधार-आधारित प्रमाणीकरण, और स्पीच-टू-टेक्स्ट, टेक्स्ट-टू-स्पीच और भावना विश्लेषण जैसे विभिन्न AI घटकों को एकीकृत करने की क्षमता भी है।

फायदें:

i.CoRover के BharatGPT डेवलपर्स और व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं का उपयोग करके कुछ ही सेकंड में टेक्स्ट और वीडियो-इनेबल्ड मल्टी-लिंगुअल वर्चुअल असिस्टेंट्स बना सकते हैं।

ii.इस प्लेटफॉर्म का बहुस्तरीय नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP) दृष्टिकोण कंप्यूटिंग और मेमोरी आवश्यकताओं को कम करता है।

कैमरून बाल टीकाकरण कार्यक्रम में मलेरिया वैक्सीन शुरू करने वाला पहला देश बन गया

मध्य अफ्रीकी देश, **कैमरून गणराज्य**, अपने नियमित राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में मलेरिया वैक्सीन को शामिल करने वाला दुनिया का **पहला देश** बन गया है।

- कैमरून RTS,S/AS01 (**मॉस्किरिक्स**) वैक्सीन का उपयोग करता है, यह एकमात्र वैक्सीन है जिसने प्रदर्शित किया है कि यह छोटे बच्चों में मलेरिया को काफी हद तक कम कर सकता है।
- कैमरून छह महीने तक के शिशुओं को वैक्सीन मुक्त में प्रदान करेगा, जिसके लिए कुल चार खुराक की आवश्यकता होगी।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने बच्चों में मलेरिया की रोकथाम के लिए दो मलेरिया वैक्सीन - 2021 में RTS,S/AS01 वैक्सीन और 2023 में R21/मैट्रिक्स-MTM वैक्सीन की सिफारिश की है।

कैमरून गणराज्य के बारे में:

राष्ट्रपति - पॉल बिआ

राजधानी - याउंडे

मुद्रा - मध्य अफ्रीकी CFA फ्रैंक

भारतीय नौसेना ने BrahMos मिसाइल के विस्तारित रेंज संस्करण का परीक्षण किया

भारतीय नौसेना (IN) ने BrahMos एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (BAPL) के सहयोग से 24 जनवरी 2024 को विस्तारित दूरी वाली BrahMos सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल (**BrahMos ER**) का परीक्षण किया।

- परीक्षण फायरिंग लड़ाकू और मिशन के लिए तैयार जहाजों से की गई।
- यह परीक्षण भारत सरकार(Gol) की 'आत्मनिर्भरता' पहल के अनुरूप था।

BrahMos ER के बारे में:

i. BrahMos ER को BAPL द्वारा विकसित किया गया है।

- BAPL रूस के NPO मशीनोस्ट्रॉयेनिया (NPO मैश) और भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के बीच एक संयुक्त उद्यम (JV) है।

ii. BrahMos ER बुनियादी BrahMos मिसाइल का एक उन्नत संस्करण है, जिसकी रेंज लगभग 450 से 500 किलोमीटर है, जबकि बेसलाइन संस्करण के लिए यह 290 किलोमीटर है।

iii. दो चरणों वाली मिसाइल स्व-निर्देशित "फायर-एंड-फोरगेट" सिद्धांत पर काम करती है।

iv. मिसाइल एक उन्नत 'मेड-इन-इंडिया' सक्रिय रडार साधक द्वारा निर्देशित है।

अतिरिक्त जानकारी:

i. बेसलाइन BrahMos मिसाइल का पहली बार परीक्षण 2001 में किया गया था।

ii. यह रूसी P-800 ओनिक्स मिसाइल पर आधारित है।

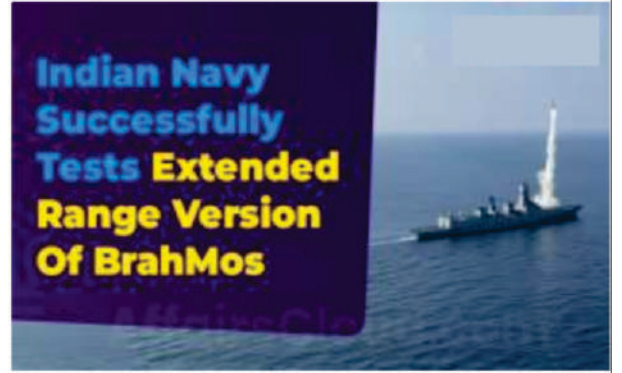
iii. यह मिसाइल हवा से लॉन्च किए जाने वाले संस्करण (BrahMos-A) और हल्के और तेज़ संस्करण (BrahMos-नेक्स्ट जेनरेशन) में भी उपलब्ध है।

भारतीय नौसेना के बारे में:

नौसेना स्टाफ के प्रमुख (CNS) - एडमिरल राधाकृष्णन हरि कुमार

मुख्यालय- नई दिल्ली, दिल्ली

स्थापना - 1950



ISRO ने हेलो ऑर्बिट में आदित्य-L1 पर मैग्नेटोमीटर बूम को सफलतापूर्वक तैनात किया

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने 11 जनवरी 2024 को हेलो ऑर्बिट में लैग्रेंज बिंदु L-1 पर आदित्य-L1 उपग्रह पर 6 मीटर लंबे मैग्नेटोमीटर बूम को सफलतापूर्वक परिनियोजन किया।

- 2 सितंबर, 2023 को [भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-L 1](#) के लॉन्च होने के बाद से बूम 132 दिनों तक संग्रहीत स्थिति (भविष्य में उपयोग के लिए रखा गया) में था।
- कार्बन फाइबर-रीइनफोर्स्ड पॉलीमर-मेड बूम मैग्नेटोमीटर और अंतरिक्ष यान के बीच एक कनेक्टर के रूप में कार्य करता है, और इसका उपयोग अंतरिक्ष यान से चुंबकीय प्रभाव को कम करने के लिए अंतरिक्ष यान के तत्काल आसपास से मैग्नेटोमीटर को हटाने के लिए किया जाता है।
- इसमें दो उच्च सटीकता वाले फ्लक्सगेट मैग्नेटोमीटर सेंसर हैं जो अंतरिक्ष में कम तीव्रता वाले अंतरग्रहीय चुंबकीय क्षेत्र को मापते हैं।
- बूम परिनियोजन को 9 सेकंड (लगभग) में निष्पादित करने के लिए एक थर्मल कटर-बेस्ड रिलीज़ सिस्टम नियोजित किया जाता है।

ईरान ने सिमोर्ग SLV का उपयोग करके पहली बार एक साथ 3 सैटेलाइट लॉन्च किए

28 जनवरी 2024 को, ईरान ने रक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित 2-चरण, तरल-ईंधन वाले सिमोर्ग (फीनिक्स) सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (SLV) का उपयोग करके पहली बार एक साथ 3 सैटेलाइट लॉन्च किए।

- सैटेलाइट्स को ईरान के सेमनान प्रांत में इमाम खुमैनी स्पेसपोर्ट से लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में लॉन्च किया गया था।
- 3 सैटेलाइट्स में **महदा** नामक एक बड़ा सैटेलाइट और दो नैनो सैटेलाइट, **कीहान-2** और **हतेफ-1** शामिल हैं।

नोट: यह जनवरी 2024 में ईरान का दूसरा सैटेलाइट लॉन्च किए है।

सैटेलाइट्स के बारे में:

महदा सैटेलाइट:

i. महादा, ईरान स्पेस एजेंसी (ISA) द्वारा विकसित एक "रिसर्च सैटेलाइट" है, जिसे उन्नत सैटेलाइट उपग्रहालयों का परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ii. इसका डिज़ाइन, निर्माण, संयोजन और परीक्षण चरण ईरान के स्पेस रिसर्च इंस्टिट्यूट में किए गए थे।

iii. 32 किलोग्राम (kg) वजनी सैटेलाइट ने 1,100 km की अपभू के साथ 450 km की अण्डाकार कक्षा में प्रवेश किया।

iv. यह सैटेलाइट्स को विभिन्न कक्षाओं में स्थापित करने के लिए ईरान के सबसे बड़े सैटेलाइट वाहक सिमोर्ग के प्रदर्शन का आकलन; और नए डिजाइनों के प्रदर्शन और स्वदेशी स्पेस प्रौद्योगिकियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करेगा।

2 नैनोसैटेलाइट:

i. कीहान 2 और हतेफ 1 नैनो-सैटेलाइट्स को रक्षा मंत्रालय की राज्य के स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ईरान इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्रीज (IEI) द्वारा विकसित किया गया है।

ii. **कीहान-2** और **हतेफ-1**, प्रत्येक का वजन 10 kg से कम है, जिसका उद्देश्य नैरोबैंड कम्युनिकेशन और जियोपोजिशनिंग तकनीक का परीक्षण करना है।

iii. कीहान-2 ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS) पर भरोसा किए बिना ग्राउंड रिसेवर्स के लिए स्थानीय पोजिशनिंग पर केंद्रित है।

- कीहान-2 में पृथ्वी की ओर स्थिर और सटीक लक्ष्य करने के लिए स्थिति निर्धारण और नियंत्रण उपग्रहालियाँ हैं।

iii. हेटिफ-1 को इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) का उपयोग करके नैरोबैंड कम्युनिकेशन के लिए डिज़ाइन किया गया था।

ईरान के बारे में:

राष्ट्रपति- H.E. डॉ. सैय्यद इब्राहिम रायसी

राजधानी- तेहरान

मुद्रा- ईरानी रियाल

भारतीय नौसेना ने AP के विशाखापत्तनम में INS निरूपक को सेवामुक्त कर दिया

29 जनवरी 2024 को, भारतीय नौसेना जहाज (**INS निरूपक**), एक स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण जहाज, नौसेना डॉकयार्ड, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश (AP) में **सेवामुक्त** कर दिया गया था।

- राष्ट्र की **38** वर्षों की सेवा के बाद जहाज को सेवामुक्त कर दिया गया।
- समारोह की अध्यक्षता भारत सरकार के मुख्य हाइड्रोग्राफर वाइस एडमिरल अधीर अरोड़ा ने की।



INS निरूपक के बारे में:

i. INS निरूपक, संधायक श्रेणी का तीसरा जहाज, जून 1981 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल (WB) में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स & इंजीनियर्स लिमिटेड (GRSE) में लॉन्च किया गया था।

ii. जहाज को अगस्त 1985 में तत्कालीन नौसेनाध्यक्ष (CNS) वाइस एडमिरल जयंत गणपत नाडकर्णी द्वारा सेवा में शामिल किया गया था।

iii. विशाखापत्तनम स्थित जहाज का प्रबंधन और नियंत्रण फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (FoC-in-C), पूर्वी नौसेना कमान (ENC) द्वारा किया गया था।

- वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर वर्तमान FoC-in-C, ENC हैं।

ध्यान देने योग्य बातें:

i. INS निरूपक को 1994, 1995, 2005 और 2009 में सर्वश्रेष्ठ सर्वेक्षण जहाज के लिए एडमिरल जल कुर्सेटजी रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया था।

ii. जहाज मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) ऑपरेशन में सक्रिय रूप से शामिल था, जिसमें ऑपरेशन गंभीर 2004 (इंडोनेशिया के लिए सुनामी राहत ऑपरेशन) भी शामिल था।

INS सुमित्रा ने दो सफल एंटी पाइरेसी ऑपरेशन चलाए; ईरानी-ध्वजांकित FV इमान & अल नईमी को बचाया गया

INS सुमित्रा ने केरल के कोच्चि से लगभग 850 समुद्री मील (nm) पश्चिम में दक्षिणी अरब सागर में दो एंटी पाइरेसी ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

- 36 घंटे से भी कम समय में, INS सुमित्रा ने दो अपहृत मछली पकड़ने के जहाज (FV) को बचाया और व्यापारिक जहाजों पर पाइरेसी के कृत्यों के लिए इन FV के दुरुपयोग को रोका।

बचाव का विवरण:

i. 28 जनवरी 2024 को, INS सुमित्रा ने ईरानी-ध्वजांकित FV इमान के एक संकट संदेश का जवाब दिया और 29 जनवरी 2024 के शुरुआती घंटों में 17 ईरानी नागरिकों के FV और उसके चालक दल को समुद्री डाकुओं से बचाया।

ii. 29 जनवरी 2024 को, INS सुमित्रा ने 11 सोमाली समुद्री डाकुओं से एक अन्य ईरानी-ध्वजांकित FV अल नईमी और 19 पाकिस्तानी नागरिकों के उनके दल को भी बचाया।

INS सुमित्रा के बारे में: INS सुमित्रा एक स्वदेशी अपतटीय गश्ती जहाज है जिसे सोमालिया के पूर्व और अदन की खाड़ी में एंटी पाइरेसी और मेरीटाइम सिक्योरिटी ऑपरेशन्स के लिए तैनात किया गया है।

भारतीय नौसेना के बारे में:

नौसेनाध्यक्ष – एडमिरल R हरि कुमार

मुख्यालय – नई दिल्ली, दिल्ली

आदर्श वाक्य – "सम नो वरुण:", जिसका अर्थ: "हे वरुण, हमारे लिए शुभ हो" है।

स्थापना – 26 जनवरी 1950

DEFENCE

EXERCISE

डेजर्ट साइक्लोन 2024: पहला भारत-UAE संयुक्त सैन्य अभ्यास राजस्थान के महाजन में शुरू हुआ

डेजर्ट साइक्लोन 2024, भारत-संयुक्त अरब अमीरात (UAE) संयुक्त सैन्य अभ्यास का पहला संस्करण, 2 जनवरी 2024 को महाजन, राजस्थान में शुरू हुआ। 2 सप्ताह तक चलने वाला यह अभ्यास 15 जनवरी 2024 को समाप्त होगा।

- अभ्यास का लक्ष्य साझा सुरक्षा उद्देश्यों को प्राप्त करना और दो देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना है।

नोट: "डेजर्ट ईगल", पहला भारत-UAE संयुक्त वायु सेना अभ्यास सितंबर 2008 में अबू धाबी, UAE में अल-धफरा बेस पर हुआ था।

उद्देश्य:

उप-पारंपरिक संचालन में अंतरसंचालनीयता को बढ़ावा देने के लिए, शांति स्थापना संचालन पर संयुक्त राष्ट्र (UN) चार्टर के अध्याय VII के तहत रेगिस्तान और अर्ध-रेगिस्तानी इलाके के भीतर निर्मित क्षेत्र में लड़ाई (FIBUA) पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

- यह शांति स्थापना अभियानों के दौरान दोनों पक्षों के बीच सहयोग और अंतरसंचालनीयता को बढ़ाएगा।



प्रतिभागी:

UAE की टुकड़ी: जायद फर्स्ट ब्रिगेड के 45 कर्मी।

भारतीय सेना की टुकड़ी: मुख्य रूप से मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट की एक बटालियन के 45 कर्मी।

नियोजित ड्रिल:

i. 'डेजर्ट साइक्लोन 2024' के तहत ड्रिल क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए भारत और UAE के संयुक्त समर्पण को प्रदर्शित करता है।

ii. अभ्यास के दौरान विभिन्न ड्रिल का पूर्वाभ्यास किया जाना तय है, जिनमें शामिल हैं:

- संयुक्त निगरानी केंद्र की स्थापना;
- घेरा और तलाशी अभियान;
- निर्मित क्षेत्र का आधिपत्य;
- हेलिबॉर्न संचालन।

नोट: इसका उद्देश्य शहरी परिचालन में सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखकर और साझा करके अंतरसंचालनीयता को बढ़ाना है।

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के बारे में:

राजधानी- अबू धाबी

राष्ट्रपति- महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान

मुद्रा- UAE दिरहम (AED)

भारतीय नौसेना के P-8I ने गुआम, USA में ASW अभ्यास सी ड्रैगन 24 के चौथे संस्करण में भाग लिया

भारतीय नौसेना के (IN) **P8I विमान** 10 जनवरी से 22 जनवरी, 2024 तक संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के गुआम में एंडरसन एयर फोर्स बेस पर आयोजित पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) 'अभ्यास सी ड्रैगन 24' के चौथे संस्करण में भाग लेते हैं।

सी ड्रैगन 24 के बारे में:

i. सी ड्रैगन अमेरिकी नौसेना द्वारा लंबी दूरी के समुद्री टोही (MR) ASW विमानों के लिए एक वार्षिक, बहुराष्ट्रीय ASW अभ्यास है।

ii. **प्रतिभागी:** अभ्यास में भाग लेने वाले छह देश भारत, USA, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा और कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया) हैं।

iii. अभ्यास के तहत, समन्वित ASW को दो रॉयल ऑस्ट्रेलियाई वायु सेना (RAAF) P-8A पोसाइडन विमान और 51 कर्मियों द्वारा आयोजित किया जाएगा।

- अमेरिकी नौसेना P-8A पोसाइडन, कोरिया गणराज्य की नौसेना P-3CK ओरियन, रॉयल कैनेडियन वायु सेना के CP-140 और जापान समुद्री आत्मरक्षा बल कावासाकी P-1 विमान भी अभ्यास में भाग ले रहे हैं।

iv. पनडुब्बी जहाजों को ट्रैक करने, पहचानने और लक्षित करने के लिए उड़ान मिशनों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

v. यह अभ्यास भाग लेने वाली नौसेनाओं के बीच तालमेल और अंतरसंचालनीयता बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है।

भारतीय नौसेना (IN) के बारे में:

नौसेना स्टाफ के प्रमुख (CNS) - एडमिरल राधाकृष्णन हरि कुमार

मुख्यालय – नई दिल्ली, दिल्ली

स्थापना – 1950

भारतीय & जापान तट रक्षकों ने चेन्नई तट पर संयुक्त 'अभ्यास सहयोग काइज़िन' का आयोजन किया

भारतीय तटरक्षक (ICG) और जापान तट रक्षक (JCG) ने **8-12 जनवरी 2024** तक **चेन्नई**, तमिलनाडु के तट पर **5 दिवसीय** वार्षिक संयुक्त अभ्यास, '**सहयोग काइज़िन**' का आयोजन किया। यह 2000 में अपनी स्थापना के बाद से जापानी और भारतीय तट रक्षकों के बीच **20वां** संयुक्त अभ्यास है।

- यह अभ्यास 2006 में भारत और जापान के बीच हस्ताक्षरित सहयोग ज्ञापन (MoC) के अनुसार आयोजित किया गया था, जिससे दोनों तटरक्षक संगठनों के बीच बातचीत को बढ़ावा मिला।
- MoC में उच्च स्तरीय दौरे, वार्षिक संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण आदान-प्रदान और कार्यशालाओं और सेमिनारों में भागीदारी भी शामिल है।

नोट: 19वां सहयोग-काइज़िन संयुक्त अभ्यास जनवरी 2020 को चेन्नई तट पर आयोजित किया गया था।

भाग लेने वाली इकाइयाँ:

ICG: शौनक, शौर्य, सुजय, रानी अब्बक्का, एनी बेसेंट, C-440, सागर अन्वेषिका, मत्स्य दृष्टि, चेतक हेलीकॉप्टर।

JCG: याहसीमा और समुद्र पहरदार एक अभिन्न हेलीकॉप्टर के साथ।

ध्यान देने योग्य बातें:

i. 5-दिवसीय प्रशिक्षण और अभ्यास में समुद्र में रासायनिक प्रदूषण के महत्वपूर्ण पहलुओं और प्रतिक्रिया उपकरणों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सहित सुरक्षा उपकरण शामिल हैं।

ii. संयुक्त प्रशिक्षण विशेष रूप से समुद्र में समुद्री प्रदूषण से निपटने के लिए खतरनाक और नशीले पदार्थों पर रासायनिक प्रदूषण प्रतिक्रिया प्रशिक्षण पर केंद्रित था।

iii. इस संयुक्त अभ्यास का समन्वय महानिरीक्षक डोनी माइकल, TM के नेतृत्व में मुख्यालय, तटरक्षक क्षेत्र (पूर्व) द्वारा किया गया था।

अभ्यास के उद्देश्य:

- द्विपक्षीय संबंधों और आपसी समझ को मजबूत करना।
- संचार में अंतरसंचालनीयता बढ़ाना।
- मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) को मजबूत करना।
- पारस्परिक लाभ के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना।

व्यावहारिक परिदृश्य:

चेन्नई के तट पर आयोजित इस अभ्यास में दो जहाजों के बीच टकराव की स्थिति के खिलाफ संयुक्त प्रतिक्रिया कार्रवाइयों का अनुकरण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप एक व्यक्ति पानी में गिर गया और एक टैंकर से तेल फैल गया।

भारतीय-थाई नौसेना का पहला द्विपक्षीय अभ्यास "अभ्यास-अयुत्या" आयोजित किया गया

भारतीय नौसेना (IN) और शाही थाई नौसेना (RTN) ने 20 से 23 दिसंबर 2023 तक 'अभ्यास-अयुत्या' नामक पहला द्विपक्षीय अभ्यास आयोजित किया।

- अयुत्या अभ्यास के साथ भारत-थाईलैंड समन्वित गश्ती (इंडो-थाई CORPAT) का 36वां संस्करण भी आयोजित किया गया था।

अभ्यास के नाम का महत्व:

- i.'अयुत्या' शब्द का अनुवाद 'अजेय' या 'अपराजेय' है।
- ii.इस अभ्यास का नाम दो सबसे पुराने शहरों - भारत में अयोध्या (उत्तर प्रदेश) और थाईलैंड में अयुत्या का प्रतीक है।

अभ्यास के बारे में:

प्रतिभागी:

- i.स्वदेशी रूप से निर्मित भारतीय नौसेना जहाज (INS) कुलिश और भारतीय नौसेना के लैंडिंग क्राफ्ट यूटिलिटी -56 (IN-LCU 56) ने अभ्यास में भाग लिया।
- ii.RTN पक्ष का प्रतिनिधित्व हिज थाई मेजेस्टीज़ शिप (HTMS) प्राचुप खीरी खान ने किया था।
- iii.दोनों नौसेनाओं के समुद्री गश्ती विमानों ने भी अभ्यास के समुद्री चरण में भाग लिया।

प्रमुख बिंदु:

- i.दोनों नौसेनाओं ने वेपन फायरिंग, नाविक कौशल विकास और सामरिक युद्धाभ्यास सहित सतह और हवा-विरोधी अभ्यास किए।
- ii.दोनों नौसेनाओं ने परिचालन तालमेल को मजबूत करने और अभ्यास जटिलता को उत्तरोत्तर बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए।

अतिरिक्त जानकारी:

- i.IN क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।
- ii.यह क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (SAGAR) के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

भारतीय नौसेना (IN) के बारे में:

नौसेनाध्यक्ष (CNS) - एडमिरल राधाकृष्णन हरि कुमार

मुख्यालय - नई दिल्ली, दिल्ली

स्थापना - 1950

अभ्यास खंजर 2024: भारत-किर्गिस्तान संयुक्त विशेष बल अभ्यास का 11वां संस्करण HP में शुरू हुआ

भारत-किर्गिस्तान संयुक्त विशेष बल अभ्यास का 11वां संस्करण "अभ्यास खंजर 2024", 22 जनवरी 2024 को हिमाचल प्रदेश (HP) के बकलोह में विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल में शुरू हुआ।

यह अभ्यास 22 जनवरी से 3 फरवरी 2024 तक आयोजित किया जाना है।

उद्देश्य: संयुक्त राष्ट्र (UN) चार्टर के अध्याय VII के तहत निर्मित क्षेत्र और पहाड़ी इलाकों में आतंकवाद और विशेष बलों के संचालन में अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना।

प्रतिभागी:

- i.भारतीय सेना (IA) की 20 कर्मियों की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के सैनिकों द्वारा किया जाता है।
- ii.किर्गिस्तान की 20 कर्मियों वाली टुकड़ी का प्रतिनिधित्व स्कॉर्पियन ब्रिगेड द्वारा किया जाता है।

अभ्यास खंजर 2024 के बारे में:

- i. यह अभ्यास निर्मित क्षेत्र और पर्वतीय इलाकों में मौजूदा और उभरते खतरों का मुकाबला करने के लिए रणनीति, तकनीकों, प्रक्रियाओं की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने पर केंद्रित था।
- ii. इस अभ्यास का उद्देश्य विशेष बल कौशल और सम्मिलन और निष्कर्षण की उन्नत तकनीक विकसित करना है।
- iii. यह दोनों देशों के अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा उपकरणों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

अभ्यास खंजर के बारे में:

- i. खंजर भारत और किर्गिस्तान में वैकल्पिक रूप से आयोजित एक **वार्षिक अभ्यास** है।
- ii. अभ्यास खंजर का पहला संस्करण **2011** में नाहन, हिमाचल प्रदेश में आयोजित किया गया था।
- iii. अभ्यास का 10वां संस्करण (अभ्यास खंजर 2023) 6 से 18 मार्च 2023 तक बिश्केक, किर्गिस्तान में आयोजित किया गया था।

किर्गिस्तान के बारे में:

राष्ट्रपति – सादिर जापारोव
राजधानी– बिश्केक
मुद्रा– किर्गिज़स्तानी सोम

अभ्यास साइक्लोन II: भारत-मिस्र संयुक्त विशेष बल अभ्यास का दूसरा संस्करण मिस्र में शुरू हुआ

भारत-मिस्र संयुक्त विशेष बल अभ्यास का **दूसरा संस्करण "अभ्यास साइक्लोन II"** 22 जनवरी 2024 को मिस्र के अंशास में शुरू हुआ।

- यह अभ्यास 22 जनवरी से 1 फरवरी 2024 तक आयोजित किया जाना है।

उद्देश्य: संयुक्त राष्ट्र चार्टर के **अध्याय VII** के तहत रेगिस्तानी/अर्ध-रेगिस्तानी इलाके में विशेष अभियानों की पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय सैन्य सहयोग विकसित करना और एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं के माध्यम से भारतीय सेना (**IA**) और मिस्र की सेना (**EA**) के बीच बंधन को मजबूत करना।

प्रतिभागी:

- i. भारतीय दल का प्रतिनिधित्व पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के सैनिकों द्वारा किया जाता है।
- ii. 25 कर्मियों की मिस्र के दल का प्रतिनिधित्व मिस्र के कमांडो स्काइन और मिस्र के एयरबोर्न प्लाटून द्वारा किया जाता है।

साइक्लोन II अभ्यास के बारे में:

- i. इस अभ्यास में उप-पारंपरिक क्षेत्र में विशेष संचालन की योजना और निष्पादन शामिल होगा।
- ii. यह सामरिक सैन्य अभ्यासों की चर्चा और रिहर्सल आयोजित करने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करेगा जिससे साझा सुरक्षा उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकेगा।

3 चरण:

- i. पहले चरण में सैन्य प्रदर्शनियाँ और सामरिक बातचीत शामिल होंगी
- ii. दूसरे चरण में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (**IED**), काउंटर IED और कॉम्बैट फर्स्ट एड पर प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- iii. तीसरे चरण में निर्मित क्षेत्रों में लड़ाई और बंधक बचाव परिदृश्यों पर आधारित एक संयुक्त सामरिक अभ्यास शामिल होगा।

अभ्यास साइक्लोन के बारे में:

- i. साइक्लोन भारत और मिस्र में वैकल्पिक रूप से आयोजित एक वार्षिक अभ्यास है।
- ii. अभ्यास का पहला संस्करण जनवरी 2023 में जोधपुर, राजस्थान में आयोजित किया गया था।

मिस्र के बारे में:

राष्ट्रपति – अब्देल फतह अल-सिसी

राजधानी – काहिरा

मुद्रा – मिस्र पाउंड

अभ्यास डेजर्ट नाइट: भारत, फ्रांस & UAE के बीच त्रिपक्षीय वायु सेना अभ्यास आयोजित किया गया

"अभ्यास डेजर्ट नाइट", एक त्रिपक्षीय वायु सेना अभ्यास, **23 जनवरी 2024** को भारतीय वायु सेना (IAF) के साथ-साथ फ्रांसीसी वायु और अंतरिक्ष बल (FAF) और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) वायु सेना के बीच आयोजित किया गया था। अभ्यास UAE में अल धफरा हवाई अड्डे पर आयोजित किया गया था।

नोट: यह अभ्यास अरब सागर के ऊपर भारतीय उड़ान सूचना क्षेत्र (FIR) में आयोजित किया गया था।

उद्देश्य: इस सहयोगात्मक प्रयास का उद्देश्य तीनों वायु सेनाओं के बीच समकालीन सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में तालमेल और अंतरसंचालनीयता को बढ़ाना है।

- अभ्यास के दौरान हुई बातचीत ने प्रतिभागियों के बीच परिचालन ज्ञान, अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान की।

प्रतिभागी और विमान:

FAF: राफेल लड़ाकू विमान, मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट

UAE वायु सेना: F-16

IAF: Su-30 MKI (सुखोई), MiG-29, जगुआर, एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (AWACS), C-130-J ट्रांसपोर्ट प्लेन, एयर टू एयर रिफ्यूएलर

प्रमुख बिंदु:

i. इस अभ्यास में लड़ाकू विमानों की एक श्रृंखला, कई फ्रंटलाइन हवाई संपत्तियां, और कॉम्बैट जेट और 3 देशों की वायु सेना की सहायता इकाइयां एक साथ आईं।

ii. फ्रांसीसी और UAE वायु सेना के विमान UAE में अल धफरा हवाई अड्डे से संचालित होते थे।

iii. IAF विमान भारत के भीतर स्थित कई ठिकानों से संचालित होते हैं।

FIR: दुनिया भर के सभी हवाई क्षेत्र को FIR में विभाजित किया गया है और उनमें से प्रत्येक को एक नियंत्रण प्राधिकरण द्वारा प्रबंधित किया जाता है। FIR की प्राथमिक जिम्मेदारी अपने निर्दिष्ट क्षेत्र के भीतर हवाई यातायात सेवाओं के प्रावधान को सुनिश्चित करना है।

भारतीय वायु सेना (IAF) के बारे में:

वायु सेना प्रमुख (CAS)- एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी

मुख्यालय- नई दिल्ली, दिल्ली

स्थापित - 1932

आदर्श वाक्य- टच द स्काई विथ ग्लोरी

भारत-सऊदी अरब संयुक्त सैन्य अभ्यास 'SADA TANSEEQ' का उद्घाटन संस्करण राजस्थान के महाजन में शुरू हुआ

भारत-सऊदी अरब संयुक्त सैन्य अभ्यास, "SADA TANSEEQ" का उद्घाटन संस्करण 29 जनवरी 2024 को महाजन, राजस्थान में शुरू हुआ और 10 फरवरी 2024 तक चलेगा। इस अभ्यास में रॉयल सऊदी लैंड फोर्स और भारतीय सेना दोनों की महत्वपूर्ण भागीदारी शामिल है।

यह अभ्यास दोनों पक्षों के सैनिकों के बीच अंतरसंचालनीयता, सौहार्द और भाईचारा के विकास को सुविधाजनक बनाएगा।

अभ्यास के उद्देश्य:

i. 'SADA TANSEEQ' का प्राथमिक उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र (UN) चार्टर के अध्याय VII के तहत अर्ध रेगिस्तानी इलाके में संयुक्त अभियान चलाने के लिए दोनों देशों के सैनिकों को गहन प्रशिक्षण प्रदान करना है।

ii. यह अभ्यास उप-पारंपरिक क्षेत्र में संचालन करने के लिए रणनीति, तकनीकों और प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने पर केंद्रित है।

प्रतिभागी:

i. सऊदी अरब की टुकड़ी में 45 कर्मी शामिल हैं और इसका प्रतिनिधित्व रॉयल सऊदी लैंड फोर्सज द्वारा किया जा रहा है।

ii. भारतीय सेना की टुकड़ी, जिसमें भी 45 कर्मी शामिल हैं, का प्रतिनिधित्व ब्रिगेड ऑफ द गार्ड्स (मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री) की एक बटालियन द्वारा किया जाता है।

गतिविधियाँ:

अभ्यास में दोनों टुकड़ियों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल है:

- इस्टैब्लिशमेंट ऑफ मोबाइल व्हीकल चेक पोस्ट;
- कॉर्डों & सर्च ऑपरेशन;
- हाउस इंटरवेशन ड्रिल;
- रिफ्लेक्स शूटिंग;
- फिसलन; और
- स्निपर फायरिंग

महत्व:

i. यह अभ्यास दोनों टुकड़ियों को अपने बंधन को मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगा।

ii. यह साझा सुरक्षा उद्देश्यों को प्राप्त करने, रक्षा सहयोग के स्तर को बढ़ाने और दो मित्र राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा।

सऊदी अरब के बारे में:

राजधानी- रियाद

राज्य के प्रमुख- महामहिम राजा सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद

प्रधान मंत्री- प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद

मुद्रा- सऊदी रियाल

TESTING

NASA ने USA में रोटेटिंग डेटोनेशन रॉकेट इंजन का परीक्षण किया

नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) ने संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के अलाबामा के हंट्सविले में मार्शल स्पेस फ्लाइट सेंटर में "रोटेटिंग डेटोनेशन रॉकेट इंजन (RDRE)" नामक 3-आयामी (3-D) मुद्रित अभिनव प्रणोदन प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

- RDRE NASA का पहला इंजन है जो डेटोनेशन के रूप में ज्ञात सुपरसोनिक कम्बशन घटना का उपयोग करके थ्रस्ट उत्पन्न करता है।

इंजन के बारे में:

i. RDRE को NASA के स्पेस टेक्नोलॉजी मिशन डायरेक्टरेट के भीतर गेम चेंजिंग डेवलपमेंट प्रोग्राम द्वारा प्रबंधित और वित्त पोषित किया जाता है।

ii. यह इंजन ह्यूमन लैंडर्स और इंटरप्लेनेटरी व्हीकल्स दोनों को शक्ति प्रदान कर सकता है।

iii. RDRE में पाउंडर बेड फ्यूजन एडिटिव विनिर्माण प्रक्रिया के साथ NASA द्वारा विकसित **GRCop-42**, एक तांबा, क्रोमियम और नाइओबियम मिश्र धातु शामिल है।

iv. इंजन अधिक पेलोड और द्रव्यमान को गहरे स्पेस डेस्टिनेशंस तक ले जाने के लिए स्पेसक्राफ्ट की क्षमता को बढ़ाता है।

v. इंजन का लक्ष्य भविष्य के प्रणोदन प्रणालियों की संरचना को बदलना है जो NASA के चंद्रमा से मंगल ग्रह तक दृष्टि में मदद करता है।

परीक्षण के बारे में:

i. RDRE का परीक्षण 251 सेकंड (4 मिनट & 11 सेकंड) के लिए किया गया था।

ii. परीक्षण का उद्देश्य कम्बस्टर को विभिन्न थ्रस्ट वर्गों में स्केल करना, सभी प्रकार के इंजन सिस्टम का समर्थन करना और मिशनों की विविधता को अधिकतम करना था जो इसे पूरा कर सकता था।

iii. परीक्षण के दौरान इंजन ने 5,800 पाउंड (25,810 न्यूटन) से अधिक का थ्रस्ट पैदा किया।

iv. इंजन का हॉट फायर परीक्षण 2022 में NASA द्वारा इंडियाना (USA) के इन स्पेस LLC और इंडियाना के पड्चू विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी में आयोजित किया गया था।

नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) के बारे में:

प्रशासक – बिल नेल्सन

मुख्यालय – वाशिंगटन, D.C., संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)

स्थापना – 1958

DRDO ने ओडिशा तट से नई पीढ़ी की AKASH मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया

12 जनवरी 2024 को, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से नई पीढ़ी AKASH (AKASH-NG) मिसाइल का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया।

- AKASH-NG सिस्टम एक अत्याधुनिक मिसाइल सिस्टम है, जो उच्च गति, फुर्तीले हवाई खतरों को रोकने में सक्षम है।

प्रमुख लोग: उड़ान परीक्षण को DRDO, भारतीय वायु सेना (IAF), भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) के वरिष्ठ अधिकारियों ने देखा।

परीक्षण का विवरण:

i. मिसाइल का परीक्षण बहुत कम ऊंचाई पर उच्च गति वाले मानव रहित हवाई लक्ष्य के खिलाफ किया गया था।

ii. हथियार सिस्टम ने उड़ान परीक्षण के दौरान उच्च गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्य को प्रभावी ढंग से रोका और नष्ट कर दिया।

iii. उड़ान परीक्षण ने संपूर्ण हथियार सिस्टम के निर्बाध एकीकरण और कार्यसिस्टम को मान्य किया जिसमें स्वदेशी रूप से विकसित रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर, लॉन्चर, मल्टी-फ़ंक्शन रडार, कमांड, नियंत्रण और संचार सिस्टम शामिल है।

iv. ITR, चांदीपुर द्वारा तैनात रडार, टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम द्वारा कैप्चर किए गए डेटा के माध्यम से सिस्टम के प्रदर्शन को भी सत्यापित किया गया था।

आकाश हथियार सिस्टम:

i. यह DRDO द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों और अन्य उद्योगों द्वारा उत्पादित किया गया है।

ii. यह 10 वर्षों से अधिक समय से सेवा में है, आकाश टीम द्वारा मिसाइल के कई उन्नत संस्करणों का विकास किया जा रहा है।

iii.इसे भारतीय वायु सेना (IAF) के साथ-साथ भारतीय सेना (IA) में शामिल किया गया है और यह चालू है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के बारे में:

यह भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय (MoD) का अनुसंधान और विकास (R&D) विंग है।

अध्यक्ष – डॉ. समीर वंकटपति कामत

मुख्यालय– नई दिल्ली, दिल्ली

स्थापित – 1958

OTHER DEFENCE NEWS

DRDO ने भारतीय सेना के लिए असॉल्ट राइफल 'उग्राम' लॉन्च की

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने भारतीय सेना (IA) के लिए "उग्राम (क्रूर)" असॉल्ट राइफल लॉन्च की।

- इसका अनावरण DRDO के आर्मामेंट एंड कॉम्बैट इंजीनियरिंग (ACE) सिस्टम के महानिदेशक **शैलेन्द्र गाडे** ने आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (ARDE), पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किया।

डेवलपर्स:

इसे आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (**ARDE**), पुणे, महाराष्ट्र और हैदराबाद स्थित निजी फर्म द्विपा आर्मर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (DAIPL) द्वारा डेवलप किया गया है।

विशेषताएँ:

i.यह 7.62 x 51mm कैलिबर है, इसका वजन चार किलोग्राम से कम है और इसकी फायरिंग रेंज 500 मीटर है। इसमें 20-राउंड मैगजीन है और यह फुल ऑटो मोड में फायर करता है।

ii.इसमें कीलक-फ्री डिज़ाइन है।

iii.राइफल को भारतीय सेना द्वारा असॉल्ट राइफलों के लिए जारी **जनरल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट्स (GSRQ)** के आधार पर विकसित किया गया था।

प्रमुख बिंदु:

i.यह पहली बार है कि DRDO लैब ने 7.62 x 51mm कैलिबर राइफल के निर्माण के लिए एक निजी उद्योग के साथ सहयोग किया है।

ii.यह हथियार भारतीय सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस बलों की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करेगा

iii.कार्यक्रम के दौरान, ARDE की छोटे हथियारों की बैरल निर्माण सुविधा का भी उद्घाटन किया गया जो भारतीय सशस्त्र बलों के साथ-साथ निजी क्षेत्र दोनों को छोटे हथियारों के निर्माण के लिए बैरल प्रदान करेगी।

आर्मामेंट रिसर्च & डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (ARDE) के बारे में:

निदेशक– अंकथी राजू

मुख्यालय– पुणे, महाराष्ट्र

स्थापना- 1958

भारतीय नौसेना को अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस से पहला स्वदेशी दृष्टि 10 स्टारलाइनर ड्रोन प्राप्त हुआ

भारतीय नौसेना को दृष्टि 10 स्टारलाइनर (जिसे एल्बिट हर्मिस 900 के नाम से भी जाना जाता है) प्राप्त हुआ, यह पहला स्वदेशी रूप से निर्मित मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंज्योरेंस (**MALE**) मानव रहित हवाई वाहन (**UAV**) है, जो हैदराबाद, तेलंगाना में अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस (ADA) सुविधा में निर्मित है।

ड्रोन का अनावरण भारतीय नौसेना के नौसेना स्टाफ के प्रमुख (CNS) एडमिरल R हरि कुमार ने हैदराबाद, तेलंगाना में किया।

नोट:

75 नौसेना कर्मियों के साथ ड्रोन को हैदराबाद से पोरबंदर, गुजरात ले जाया जाएगा, जहां इसे आधिकारिक तौर पर नौसेना के समुद्री अभियानों में शामिल किया जाएगा।

इससे अरब सागर में निगरानी और टोही क्षमताएं बढ़ेंगी।

दृष्टि 10 स्टारलाइनर के बारे में:

i. दृष्टि 10 ड्रोन का निर्माण अदानी समूह द्वारा इज़राइल के एल्बिट सिस्टम्स के साथ साझेदारी में किया गया था। लगभग 70% ड्रोन का स्वदेशीकरण किया गया है।

ii. इसमें 36 घंटे की सहनशक्ति और 450 kg पेलोड क्षमता है।

विशेषताएँ:

i. यह UAV एक कटिंग-एडज इंटेलिजेंस, सर्वेइलांस एंड रेकनाइसेन्स (IRS) प्लेटफॉर्म है, जो अत्याधुनिक सेंसर और उन्नत संचार क्षमताओं से लैस है।

ii. यह UAV सिस्टम्स की उड़ान योग्यता के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) STANAG 4671 (मानकीकृत समझौता 4671) प्रमाणन के साथ एकमात्र सभी मौसम के लिए सैन्य मंच है।

- यह पृथक और पृथक दोनों हवाई क्षेत्रों में उड़ान के लिए प्राधिकरण रखता है।

iii. ऑटोमैटिक टेक ऑफ एंड लैंडिंग (ATOL) जैसी उन्नत तकनीकों के साथ, दृष्टि एक मजबूत बल गुणक होगी, जो हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में IRS शुरू करने में क्षमता और विश्वसनीयता बढ़ाएगी।

पृष्ठभूमि:

i. 2023 में, रक्षा मंत्रालय (MoD) और ADA ने भारतीय सेना और नौसेना (प्रत्येक 2) के लिए चार MALE ड्रोन की आपूर्ति के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

ii. MoD द्वारा दी गई आपातकालीन वित्तीय शक्तियों का उपयोग करके अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे।

iii. सौदे का संयुक्त मूल्य लगभग 550 करोड़ रुपये है।

अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के बारे में:

अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस अदानी ग्रुप का एक हिस्सा है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO)– आशीष राजवंशी

मुख्यालय– अहमदाबाद, गुजरात

भारतीय सेना ने परिवर्तनकारी परिवर्तन के लिए 2024 को "प्रौद्योगिकी अवशोषण का वर्ष" घोषित किया है

भारतीय सेना ने आधिकारिक तौर पर 2024 को "प्रौद्योगिकी अवशोषण का वर्ष" घोषित किया है, जो अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने, विकास को बढ़ावा देने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समर्पित प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

- इसका उद्देश्य स्वदेशीकरण पर जोर देते हुए भारतीय सेना को एक आधुनिक और चपल बल में बदलना है।

नोट: वर्ष 2023 को "परिवर्तन का वर्ष" घोषित किया गया था।

प्रौद्योगिकी:

i. प्रौद्योगिकी को भारतीय सेना के भीतर परिवर्तनकारी परिवर्तन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए उत्प्रेरक के रूप में मान्यता प्राप्त है।

ii. सेना का लक्ष्य घरेलू रक्षा उद्योग के साथ सहयोग करके परिचालन और रसद आवश्यकताओं के लिए समाधान खोजने के लिए घरेलू विशेषज्ञता का लाभ उठाना है।

आधुनिक बल:

i. एक पुनर्परिभाषित परिचालन दर्शन के साथ एक आधुनिक बल में बदलने की दिशा में भारतीय सेना के कदम में विभिन्न पहलू शामिल हैं:

- ड्रोन और काउंटर-ड्रोन प्रणालियों को शामिल करना;
- पैदल सेना, तोपखाने और बख्तरबंद बटालियनों में पुनर्गठन; और
- कमांड साइबर ऑपरेशंस सपोर्ट विंग (CCOSW) की स्थापना।

ii. CCOSW को 4 वर्टिकल में व्यवस्थित किया जा रहा है:

- आपात्कालीन स्थितियों पर तत्काल प्रतिक्रिया के लिए कंप्यूटर आपात्कालीन प्रतिक्रिया दल;
- कंप्यूटर और नेटवर्क के ऑडिट के लिए साइबर सुरक्षा अनुभाग;
- नेटवर्क की निगरानी और विश्लेषण के लिए सुरक्षा संचालन नियंत्रण; और
- नए एप्लिकेशन/सॉफ्टवेयर के परीक्षण के लिए परीक्षण और मूल्यांकन अनुभाग।

iii. तकनीकी एकीकरण से परे, भारतीय सेना का लक्ष्य अपनी वर्तमान संरचना में प्रचलित पारंपरिक विषमताओं को पाटना है।

साइबरस्पेस क्षमताएँ:

i. भारतीय सेना साइबरस्पेस क्षेत्र में क्षमताओं की खोज पर जोर देती है।

ii. भारतीय सेना के जवान प्रोजेक्ट SAMBHAV (सिक्वोर आर्मी मोबाइल भारत वर्जन) के माध्यम से साइबर डोमेन में निपुणता से जुड़ने के लिए प्रशिक्षण ले रहे हैं।

- SAMBHAV उन्नत 5G तकनीक द्वारा संचालित एक सुरक्षित एंड-टू-एंड मोबाइल इकोसिस्टम पेश करता है।

iii. भारतीय सेना ने पहले ही 2500 SAMBHAV हैंडसेट शामिल कर लिए हैं, जो राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों और उद्योग के निकट सहयोग से स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं।

iv. सेना प्रादेशिक सेना (TA) के माध्यम से विशेषज्ञ अधिकारियों का एक पूल बनाने की भी कोशिश कर रही है।

- यह दृष्टिकोण साइबर विशेषज्ञों तक फैला हुआ है, जिन्हें नागरिक-सैन्य निवेश के माध्यम से TA में शामिल किया जाएगा।

SAMBHAV: भारतीय सेना का स्वदेशी रूप से विकसित एंड-टू-एंड सिक्वोर मोबाइल इकोसिस्टम

भारतीय सेना ने राष्ट्रीय रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए स्वदेशी रूप से SAMBHAV (सिक्वोर आर्मी मोबाइल भारत वर्शन) नामक एक एंड-टू-एंड सिक्वोर मोबाइल इकोसिस्टम विकसित किया है।

- SAMBHAV अत्याधुनिक समकालीन 5G तकनीक पर काम करता है और इसका उद्देश्य चलते-फिरते भी तत्काल कनेक्टिविटी के साथ सुरक्षित संचार प्रदान करना है।
- इसे शिक्षा और उद्योग के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों के सहयोग से विकसित किया गया था।

ध्यान देने योग्य बातें:

i. SAMBHAV मोबाइल नेटवर्क की जासूसी की आशंका को संबोधित करता है, जिससे मोबाइल उपकरणों पर सूचना सुरक्षा से समझौता करने का जोखिम कम हो जाता है।

ii. यह पहल "दोहरे उपयोग वाले बुनियादी ढांचे" की दिशा में भारत सरकार (GoI) के प्रयासों के अनुरूप है और उभरती हुई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में "नागरिक-सैन्य संलयन" की अवधारणा को प्रदर्शित करती है।

चरणबद्ध कार्यान्वयन:

i. इकोसिस्टम को एक सुरक्षित संचार मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह दो चरणों में 35,000 सेटों को कॉन्फ़िगर करने के लिए तैयार है।

ii. प्रारंभिक चरण में 2,500 सेट (15 जनवरी 2024 तक) कॉन्फ़िगर करने का लक्ष्य है, शेष 32,500 सेट 31 मई 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

विशेषताएँ:

i. SAMBHAV में पैन इंडिया सिक्वोर इकोसिस्टम के साथ एक बहुस्तरीय एन्क्रिप्शन सिस्टम होगी।

ii. इकोसिस्टम में स्वदेशी रूप से विकसित सुरक्षित एप्लिकेशन और एक ऑपरेटिंग सिस्टम शामिल है।

iii. यह अंतर्निहित सुरक्षा उपायों के साथ एक वाणिज्यिक नेटवर्क पर काम करता है।

कमांड साइबर ऑपरेशंस सपोर्ट विंग (CCOSW):

i. CCOSW की स्थापना की जा रही है, जो साइबर क्षमता को बढ़ाने के लिए "विशेष उप-इकाइयाँ" हैं।

ii. सामरिक स्तर पर रक्षा साइबर एजेंसियों के साथ सभी स्तरों पर साइबर क्षमता को बढ़ाया और एकीकृत किया जा रहा है, जबकि CCOSW "परिचालन और सामरिक स्तर" पर कार्यात्मक होंगे।

- प्रत्येक कमांड के लिए, 6 CCOSW स्थापित किए जा रहे हैं, और कर्मियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण और सत्यापन अभ्यास से गुजरना होगा।

भारतीय सेना के बारे में:

थल सेनाध्यक्ष (CoAS)- जनरल मनोज पांडे

मुख्यालय- नई दिल्ली, दिल्ली

गठित- 1 अप्रैल 1895 को

INS चीता, गुलदार और कुंभीर को A&N में सेवामुक्त किया गया

पोर्ट ब्लेयर, अंडमान & निकोबार (A&N) में आयोजित एक समारोह के दौरान तीन भारतीय नौसेना जहाजों (INS) अर्थात् INS चीता, INS गुलदार और INS कुंभीर को एक साथ सेवामुक्त किया गया।

- तीनों जहाजों ने भारत को लगभग 40 वर्षों तक शानदार सेवा प्रदान की।

प्रतिनिधि:

इस समारोह में अंडमान और निकोबार कमांड के कमांडर-इन-चीफ (CINCAN) एयर मार्शल साजु बालाकृष्णन और भारत के नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख वाइस एडमिरल तरुण सोबती ने भाग लिया।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

i. **निर्मित:** सभी तीन जहाज पोलैंड के ग्डिनिया शिपयार्ड में बनाए गए थे; वे पोल्लोक्नी श्रेणी के लैंडिंग जहाजों के थे।

ii. **कमीशन किया गया:** जहाजों को 1984 (चीता), 1985 (गुलदार), और 1986 (कुंभीर) में कमीशन किया गया था।

- पोलैंड में भारत के तत्कालीन राजदूत S K अरोड़ा (चीता और गुलदार) और A K दास (कुंभीर) की उपस्थिति में कमीशन किया गया।

iii. **कमांडिंग ऑफिसर:** तीनों जहाजों के कमांडिंग ऑफिसर क्रमशः कमांडर V B मिश्रा, लेफ्टिनेंट कमांडर S K सिंह और लेफ्टिनेंट कमांडर J बनर्जी थे।

परिचालन इतिहास:

i. INS चीता को शुरुआत में कोच्चि (केरल) और चेन्नई (तमिलनाडु) में तैनात किया गया था जबकि INS कुंभीर और INS गुलदार को विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में तैनात किया गया था।

ii. बाद में, तीनों को A&N कमांड में फिर से नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने सेवामुक्त होने की प्रक्रिया तक सेवा की।

iii. जहाजों ने लगभग 17 लाख समुद्री मील की यात्रा की है और समुद्र में 12,300 से अधिक दिन बिताए हैं।

iv. अपनी शानदार यात्राओं के दौरान, इन जहाजों ने कई समुद्री सुरक्षा मिशनों और मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में भाग लिया।

भारतीय नौसेना (IN) के बारे में:

नौसेना स्टाफ के प्रमुख (CNS) - एडमिरल राधाकृष्णन हरि कुमार
मुख्यालय - नई दिल्ली, दिल्ली
स्थापना - 1950

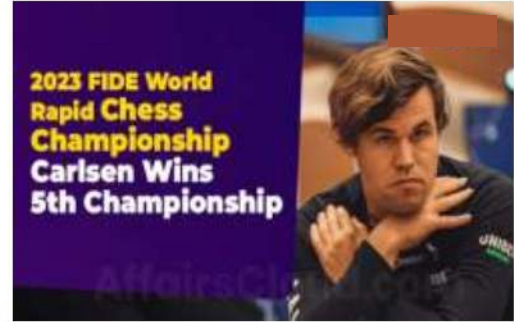
SPORTS

FIDE वर्ल्ड रैपिड चैस चैंपियनशिप 2023: मैग्नस कार्लसन ने 5वां टाइटल जीता, कोनेरू हम्पी ने रजत पदक जीता

नॉर्वेजियन ग्रैंडमास्टर (GM) और वर्ल्ड नंबर 1, मैग्नस कार्लसन ने 26 दिसंबर से 28 दिसंबर 2023 तक समरकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित 2023 इंटरनेशनल चैस फेडरेशन(FIDE) वर्ल्ड रैपिड चैस टाइटल (मेन) जीता। यह टाइटल मैग्नस कार्लसन के 5वें वर्ल्ड रैपिड चैस चैंपियनशिप का टाइटल का प्रतीक है।

- उन्होंने पूरी तरह से 16 वर्ल्ड चैंपियनशिप टाइटल्स जीते हैं, जिसमें 5 रैपिड टाइटल्स, 6 ब्लिट्ज टाइटल्स और 5 क्लासिकल टाइटल्स शामिल हैं।

i.रूसी चैस खिलाड़ी अनास्तासिया बोडनारुक (तटस्थ FIDE ध्वज) ने टाईब्रेकर मैच में भारतीय चैस ग्रैंडमास्टर, कोनेरू हम्पी को हराकर पहला स्थान हासिल करके 2023 FIDE वर्ल्ड रैपिड चैस विमेंस टाइटल जीता।



शीर्ष 3 मेन पदक विजेता

रैंक	खिलाड़ी का नाम	देश	पदक
1	मैग्नस कार्लसन	नॉर्वे	स्वर्ण पदक और ट्रॉफी
2	व्लादिमीर फेडोसीव	स्लोवेनिया	रजत पदक
3	यू यांगयी	चीन	कांस्य पदक

मेन श्रेणी के लिए पुरस्कार राशि:

- विजेता: USD 60,000
- फर्स्ट रनर-अप: USD 50,000
- सेकंड रनर-अप: USD 40,000

शीर्ष 3 विमेंस पदक विजेता

रैंक	खिलाड़ी का नाम	देश	पदक
1	अनास्तासिया बोडनारुक	रूस (FIDE ध्वज)	स्वर्ण पदक और ट्रॉफी
2	कोनेरू हम्पी	भारत	रजत पदक
3	लेई टिंगजी	चीन	कांस्य पदक

विमेंस श्रेणी के लिए पुरस्कार राशि:

- विजेता: USD 40,000
- फर्स्ट रनर-अप: USD 30,000
- सेकंड रनर-अप: 20,000 अमेरिकी डॉलर

2023 FIDE (इंटरनेशनल चैस फेडरेशन) का स्थान:

2023 FIDE वर्ल्ड ब्लिट्ज़ चैस चैंपियनशिप भी उज़्बेकिस्तान में उसी स्थान पर आयोजित की जाएगी। यह 29 दिसंबर से 30 दिसंबर 2023 तक आयोजित होने वाला है।

- मैग्नस कार्लसन मेन ब्लिट्ज़ खिताब के मौजूदा चैंपियन हैं, जबकि बिबिसारा असौबायेवा (कजाकिस्तान) ब्लिट्ज़ खिताब के विमेंस श्रेणी में अपने खिताब का बचाव करेंगी।

वर्ल्ड रैपिड चैस चैंपियनशिप में कोनेरू:

कोनेरू हम्पी ने वर्ष 2012 में वर्ल्ड रैपिड चैस चैंपियनशिप में अपना पहला पदक (कांस्य) जीता। उन्हें वर्ष 2019 में वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप खिताब (स्वर्ण पदक) और 2023 में रजत पदक मिला।

अतिरिक्त जानकारी:

Federation International des Echecs या इंटरनेशनल चैस फेडरेशन(FIDE) के बारे में:

अध्यक्ष - अर्कडी इवोरकोविच

उपाध्यक्ष- वर्ल्डनाथन आनंद

मुख्यालय - लॉज़ेन, स्विट्जरलैंड

स्थापना - 1924

उज़्बेकिस्तान के बारे में:

राष्ट्रपति - शौकत मिर्जियोयेव

राजधानी- ताशकंद

मुद्रा - उज़्बेकिस्तानी सोम

2023 वर्ल्ड ब्लिट्ज़ चैस चैंपियनशिप: नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अपना 7वां खिताब

जीता & रूस की वेलेंटीना गुनिना ने अपना दूसरा खिताब जीता

नॉर्वेजियन ग्रैंडमास्टर और वर्ल्ड चैस चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने 29 से 30 दिसंबर 2023 तक समरकंद कांग्रेस सेंटर, समरकंद, उज़्बेकिस्तान में आयोजित **2023 वर्ल्ड ब्लिट्ज़ चैस चैंपियनशिप** (ओपन टूर्नामेंट) में खिताब जीता।

i. यह कार्लसन का **7वां वर्ल्ड ब्लिट्ज़** चैंपियनशिप खिताब और 17वां वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब है।

ii. रूस की वेलेंटीना गुनिना ने विमेंस ब्लिट्ज़ टूर्नामेंट का खिताब जीता। यह उनका **दूसरा वर्ल्ड ब्लिट्ज़** खिताब है। उन्होंने इससे पहले 2012 में यह खिताब जीता था।

ओपन और विमेंस टूर्नामेंट के तहत शीर्ष 3:

ओपन:

मैग्नस कार्लसन ने 21 मैचों में 16 अंक बनाए, जबकि रूस के डेनिल दुबोव (15.5 अंक) और रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिएव (15 अंक) ओपन ब्लिट्ज़ टूर्नामेंट में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।



वीमेन:

वेलेंटीना गुनिना 17 खेलों में से 14 अंकों के साथ समाप्त हुई। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन स्विट्जरलैंड की एलेक्जेंड्रा कोस्टेनीयुक दूसरे (13.5) स्थान पर रहीं और चीन की झू जिनर तीसरे (12.5) स्थान पर रहीं।

नोट: रूसी खिलाड़ी वर्तमान में तटस्थ FIDE ध्वज के तहत खेल रहे हैं।

इवेंट के बारे में:

2012 से, इंटरनेशनल चैस फेडरेशन (FIDE: Federation International des Echecs) एक संयुक्त टूर्नामेंट के रूप में वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप का आयोजन कर रहा है।

नकद पुरस्कार:

2023 चैंपियनशिप की पुरस्कार राशि 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जिसमें ओपन के लिए 700,000 अमेरिकी डॉलर और विमेंस टूर्नामेंट के लिए 300,000 अमेरिकी डॉलर हैं।

मैग्नस कार्लसन के बारे में:

- i. मैग्नस कार्लसन 5 बार के वर्ल्ड चैस चैंपियन हैं, जो 1 जुलाई 2011 से FIDE वर्ल्ड चैस रैंकिंग में नंबर 1 रैंक पर हैं।
- ii. उनकी 17 वर्ल्ड चैंपियनशिप में 5 वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब, 5 रैपिड और 7 ब्लिट्ज़ शामिल हैं।

ICC ने स्टंपिंग नियम और कन्कशन प्रतिस्थापन नियम में संशोधन किया

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने स्टंपिंग नियम में बदलाव करते हुए कहा है कि स्टंपिंग अपील की जांच करते समय, TV अंपायर (तीसरे अंपायर के रूप में संदर्भित) केवल साइड-ऑन कैमरे से छवियों का आकलन करेगा (केवल स्टंपिंग को दिखाने के लिए) विकेटकीपर द्वारा) और कैच-बैक परिदृश्य का आकलन नहीं करेगा।

- ICC ने कन्कशन प्रतिस्थापन नियमों में भी बदलाव किया है।

नए स्टंपिंग नियम के बारे में:

i. स्टंपिंग नियमों में बदलाव से गेंदबाजी टीम कैच-बैक अपील के लिए एक अलग निर्णय समीक्षा प्रणाली (DRS) रेफरल का उपयोग कर सकती है (चाहे विकेटकीपर द्वारा पकड़ी गई गेंद को हिट किया गया हो या बल्लेबाज द्वारा किनारा किया गया हो)।

ii. स्टंपिंग नियम में नए बदलाव 12 दिसंबर 2023 को लागू हुए।

कन्कशन प्रतिस्थापन नियम के बारे में:

कनकशन (सिर या गर्दन की चोट) प्रतिस्थापन नियम में नए बदलावों के अनुसार, यदि कनकशन की घटना के समय प्रतिस्थापित (घायल) खिलाड़ी को गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया था, तो स्थानापन्न खिलाड़ी को गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अतिरिक्त जानकारी:

ICC ने मैदान पर चोट के आकलन और उपचार के लिए चार मिनट की समय सीमा भी लगाई है।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वार्नर ने ODI & टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में 3-6 जनवरी 2024 तक आयोजित अपने आखिरी टेस्ट मैच के दौरान एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (ODI) क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

डेविड वार्नर के क्रिकेट करियर के बारे में:

i. डेविड वार्नर ने अपना टेस्ट डेब्यू 2011 में ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में न्यूजीलैंड के खिलाफ किया था।

- उन्होंने अपना ODI डेब्यू 2009 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया था।

ii. डेविड वार्नर ने 112 टेस्ट और 161 ODI मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें क्रमशः 8786 रन और 6932 रन बनाए।

iii. डेविड वार्नर को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट के लिए राष्ट्रीय शासी निकाय) द्वारा 2020, 2017 & 2016 में तीन बार ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पुरस्कार (पूर्व में एलन बॉर्डर मेडल) से सम्मानित किया गया था।

iv. वह निम्नलिखित टूर्नामेंटों में कप विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे, जैसे

- ODI वर्ल्ड कप (2015) न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित किया गया
- ट्वेंटी-20 (T20) वर्ल्ड कप (2021) संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और ओमान में आयोजित हुआ
- वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (2021-2023) लंदन, यूनाइटेड किंगडम (UK) में आयोजित की गई
- ODI वर्ल्ड कप (2023) भारत में आयोजित हुआ।

v. उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में दिल्ली कैपिटल्स (2009-2013 & 2022-वर्तमान) और सनराइजर्स हैदराबाद (2014-2021) के लिए खेला।

vi. डेविड वार्नर के पास रिकी पोंटिंग (27,483 रन) के बाद 18,612 रन के साथ तीनों प्रारूपों (ODI, T20I और टेस्ट) में ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी का रिकॉर्ड है।



फाइनल में पोलैंड को हराकर जर्मनी ने यूनाइटेड कप 2024 का खिताब जीता

जर्मन टेनिस टीम ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में केन रोज़वेल एरेना में आयोजित फाइनल में पोलैंड को 2-1 से हराकर यूनाइटेड कप 2024 का खिताब जीता।

- यूनाइटेड कप का दूसरा संस्करण 29 दिसंबर 2023 से 7 जनवरी 2024 तक पर्थ और सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया गया था।

प्रमुख बिंदु:

i. यूनाइटेड कप 2024 में प्रत्येक टाई (राउंड) में तीन मैच (पुरुष एकल, महिला एकल और मिश्रित युगल) होंगे।

ii. जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव (ATP रैंकिंग में 6वें) ने पुरुष एकल फाइनल में पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज़ (9वें रैंकिंग पर) को हराया।

iii. महिला एकल फाइनल में, पोलैंड की इगा स्विएटेक (WTA रैंकिंग में प्रथम) ने एंजेलिक कर्बर् (जर्मनी) को हराया।

iv. मिश्रित युगल स्पर्धा में, अलेक्जेंडर ज्वेरेव और लॉरा सीगमंड (जर्मनी) ने फाइनल में ह्यूबर्ट हर्काज़ और इगा स्विएटेक (पोलैंड) को हराया।

पुरस्कार राशि:

i. फाइनल में पुरुष एकल और महिला एकल के विजेताओं को

251,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलती है, जबकि मिश्रित युगल के विजेताओं को 47,255 अमेरिकी डॉलर मिलते हैं।

ii. अंतिम विजेता टीम को पुरस्कार राशि में 23,155 अमेरिकी डॉलर मिले।

